सतना
16 अप्रैल 2026 गुरुवार
दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीएम ने लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील की

कहा- पानी बचाएं, प्राकृतिक खेती करें: कर्नाटक में वोक्कालिगा समुदाय के मंदिर उद्घाटन किया

बेंगलुरु, एजेंसी। पीएम मोदी बुधवार को कर्नाटक में लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरी अपील जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को लेकर है। इसके बाद उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के जरिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने, रसायन-मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाने, मोटे अनाज (मिलेट्स) के साथ स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने और तेल के कम उपयोग की अपील भी की। पीएम मांडया जिले के श्री क्षेत्र आदिचुंचनगिरि मठ पहुंचे थे। यहां उन्होंने

गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्र नामक किताब का विमोचन भी किया। इस मौके पर पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा भी मौजूद थे। यह वोक्कालिगा समुदाय से जुड़ा है।

मंदिर डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी की स्मृति में बनाया गया

श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर, पूज्य संत डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी की स्मृति में बनाया गया है। वे आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के 71वें पीठाधीश्वर थे। मंदिर को पारंपरिक द्रविड़ शैली में बनाया गया है और इसे उनके जीवन और विरासत को समर्पित स्मारक के रूप में तैयार किया गया है। डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी सामाजिक सेवा से जुड़े रहे। उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थान और स्वास्थ्य सुविधाएं स्थापित कीं। उनका मानना था कि समाज की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है।

अमरावती में लव ट्रैप में फंसाकर 180 लड़कियों का शोषण

350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले, आरोपी गिरफ्तार, प्रशासन ने घर पर बुलडोजर चलाया

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परवाड़ा में 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। आरोपी के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस ने बुधवार को परतवाड़ा में मोहम्मद अयाज के घर बुलडोजर चलाया। आरोपी के तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

लड़कियों को मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाए: पुलिस के मुताबिक, आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाता था, उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर उनके अश्लील वीडियो बनाता था। इन वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल कर देह व्यापार के लिए मजबूर करता था।

वीडियो की जांच साइबर सेल को

अब पुलिस यह जांच कर रही है कि ये वीडियो आरोपी ने अपने दोस्तों या किसी संगठित गिरोह के साथ शेयर किए थे या नहीं।
इसी बीच, पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस डिवाइस में कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच साइबर सेल की मदद से की जा रही है।

राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे की शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने ग्रामीण एसपी विशाल आनंद को ज्ञापन देकर मामले की जांच के लिए SIT बनाने की मांग भी की थी।

शिकायत में बताया गया है कि आरोपी व्हाट्सएप और स्नैपचैट ग्रुप के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था।

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीनी

आप का दावा- केंद्र से ज़ेड+ सिक्योरिटी मिलेगी, पूछा- सांसद हमारा, ये मेहरबान क्यों

लुधियाना, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (AAP) और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद और बढ़ गया है। पंजाब की सीएम भगवंत मान की अगुआई वाली आप सरकार ने राघव चड्ढा की सिक्योरिटी छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते राघव चड्ढा को पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी मिली थी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के नेता

सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया (X) पर दावा किया कि राघव चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सिक्योरिटी दे दी है। केंद्र सरकार आखिर राघव चड्ढा पर इतनी मेहरबान क्यों है? हालांकि, चड्ढा के करीबी सोर्सेज के मुताबिक अभी उन्हें केंद्र से सुरक्षा नहीं मिली है।

जानकारी के मुताबिक उन्हें जल्द केंद्रीय सुरक्षा मिल सकती है। तब तक उन्हें दिल्ली पुलिस की सिक्योरिटी दी जा सकती है। 2 हफ्ते पहले आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी उपनेता के पद से हटाकर दूसरे सांसद अशोक मित्तल को यह पद दे दिया था। उसके बाद से ही आप और राघव चड्ढा के बीच खूब बयानबाजी भी चली।

पंजाब- आप राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल पर ईडी रेड

जालंधर-फगवाड़ा, गुरुग्राम में -फार्म हाउस में जांच; राघव चड्ढा को हटा डिप्टी लीडर बनाते ही एक्शन

जालंधर, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के 9 ठिकानों पर एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED) ने रेड की। आज सुबह साढ़े 7 बजे दिल्ली से श्वष्ठ की टीमें जालंधर में उनके घर, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) और गुरुग्राम समेत अन्य ठिकानों पर पहुंचीं। जांच चल रही है।

घर के बाहर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। अशोक मित्तल इस वक्त अपने जालंधर स्थित घर में मौजूद हैं। श्वष्ठ सूत्रों के मुताबिक यह मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला है। जिसे अशोक मित्तल और उनके बेटे से जोड़ा जा रहा है।

इस रेड के बाद आप नेताओं ने BJP को घेरा। सीएम भगवंत मान ने लिखा- भाजपा की पंजाब चुनाव की तैयारी शुरू। टिपिकल मोदी स्टाइल। इस पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने जवाब देते हुए लिखा- आपकी पार्टी तो चोरों और लुटेरों की पार्टी है। गंदगी साफ होगी।

करीब 12 दिन पहले आम आदमी पार्टी ने सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। इसके बाद अशोक मित्तल को उपनेता बनाया गया। अशोक पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे।

भाजपा बंगाल में महिलाओं को हर महीने 3,000 देगी

स्मृति ईरानी ने मातृशक्ति भरोसा कार्ड लॉन्च किया; 23 अप्रैल को पहले फेज की वोटिंग

नई दिल्ली/ कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में मातृशक्ति भरोसा कार्ड लॉन्च किया। सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर महीने 3,000 देने का वादा किया गया है। कार्यक्रम में सुवेंदु अधिकारी और स्मृति ईरानी मौजूद रहीं। बंगाल में दो फेज में वोटिंग होगी। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा।

एक दिन पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में डर का माहौल है। हत्या, दुष्कर्म और दंगे चरम पर पहुंच चुके हैं। राज्य में लोग काफी परेशान हैं। राज्य में युवा रोजगार को लेकर चिंतित हैं। सरकारी कर्मचारियों को अपने हक के लिए अदालत जाना पड़ रहा है।

वहीं ममता बनर्जी ने पिंगला में चुनावी रैली में कहा कि बीजेपी बंगाल पर कब्जा करने के लिए हद पार कर रही

है। इतना गंदा खेल पहले कभी नहीं देखा। लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। केंद्र सरकार ने बंगाल का पैसा रोक दिया है। उन्होंने EVM को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मशीनों की सख्ती से जांच की जाएगी।

सबरीमाला मंदिर बोला : कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर फैसला नहीं दे सकता

कुछ लोगों का अधिकार पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं हो सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह तय होगा उसी समुदाय की आस्था के आधार पर। जज खुद यह तय नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत।'

उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए कुछ लोगों (महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता।इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी

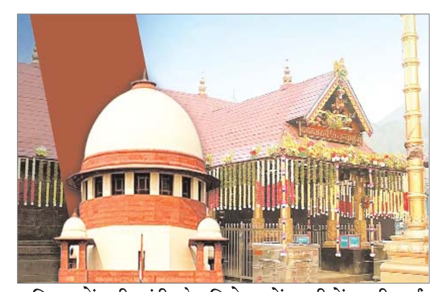

महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गई। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

पंजाब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 8 मरे

बच्चों-महिलाओं समेत 21 घायल, शरीर में कांच घुसे; डेढ़ किमी दूर उतरना था, पीएम ने दुख जताया

फतेहगढ़ साहिब/खन्ना, एजेंसी। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। जिससे बस में करंट भी आ गया। बस पलटने से उसमें सवार 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मरने वालों में सगे भाई भी शामिल हैं। वहीं बच्चों-महिलाओं समेत 21 श्रद्धालु घायल हो गए।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त हादसा हुआ, बस में 40 लोग सवार थे और करीब डेढ़ किमी बाद ही सबको बस से उतरकर अपने घर जाना था। हादसे का पता चलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला।

फतेहगढ़ साहिब के SSP डॉ. शुभम अग्रवाल ने कहा कि पुलिस हादसे की वजहों की जांच कर रही है।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया। पीएम ने कहा- हादसे के बारे में सुनकर मुझे अत्यंत दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने

शपथ के बाद नीतीश के पैर छुए; जेडीयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव डिप्टी सीएम

पटना, एजेंसी। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया

है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।'

शपथ से पहले हनुमान मंदिर पहुंचे सम्राट: सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की थी। शपथ से पहले ही उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सरकार में बदलाव सोमवार को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद हुआ।

चीनी टैंकर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम, मेथेनॉल लेकर यूएई से आ रहा था अमेरिकी वॉरशिप की चेतावनी के बाद मुड़ा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसने करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था।

यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज पार करने की कोशिश की थी।

रॉयटर्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी युद्धपोत ने दो तेल टैंकरों को रोक दिया, जो ओमान की खाड़ी में स्थित ईरान के चाबहार बंदरगाह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रिच स्टैरी और इसकी मालिक कंपनी शंघाई जुआनरन शिपिंग को. पर अमेरिका ने 2023 से प्रतिबंध लगा रखा है, क्योंकि वे ईरान के साथ व्यापार कर रहे थे।

एमपी बोर्ड 12वीं का रिजल्ट- 76% स्टूडेंट्स पास:

भोपाल की खुशी राय और चांदनी टॉपर; 16 साल में सबसे बेहतर परिणाम

भोपाल, एजेंसी। एमबी बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार (15 अप्रैल) को सीएम हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में परिणाम जारी किया। इस बार का रिजल्ट पिछले 16 सालों में सबसे बेहतर रहा है।

छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मारी है। भोपाल की खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने मेरिट में पहला स्थान हासिल किया है। दोनों ने 500 में से 494 अंक हासिल किए हैं। खुशी शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और चांदनी गुरुदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़, भोपाल की छात्रा हैं।

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसा- अब तक 17 की मौत

36 लोग झुलसे; वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 17 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 6 की मौत रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, 5 की जिला अस्पताल रायगढ़ और 2 की रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। मृतकों में 4 छत्तीसगढ़ से हैं, जबकि बाकी 13 यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से हैं। हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजन का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता

राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले PMO ने मुआवजे की घोषणा की थी। PMNRF से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया।

रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में 10 भर्ती: प्लांट हादसे में घायल 10 लोगों का इलाज रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में चल रहा है। सभी 15% से लेकर 95-100% तक झुलसे हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इनमें मनीष गिरी, कार्तिक महतो, बृजेश कुमार, केशव चंद्रा, भुवनेश्वर चंद्रा, अभिषेक चंद्रा, नदीम अंसारी, मिलन वारे, संदीप और शिवनाथ मुर्मू शामिल हैं।इसके अलावा, बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल रायगढ़ में बनवारी लाल, उपेंद्र और परदेशी लाल चंद्रा का इलाज जारी है।

दिल्ली-एनसीआर में आतंकवाद से निपटने की चुनौती, इंटेलिजेंस तकनीक और कम्युनिटी पुलिसिंग बनेंगे गेम चेंजर

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल के महीने में जिस तरह से पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद व लश्कर-ए-तैयबा समेत पंजाब के खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल व आइसिस आदि संगठनों से जुड़े 40 से अधिक आतंकी पकड़े गए हैं, उससे पता चलता है कि भारत को अस्थिर करने में आतंकी संगठनों ने पूरी ताकत झोंक दी है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ पहले से अधिक सक्रिय हो गई है, आइएसआइ, खालिस्तानी आतंकियों के साथ मिलकर भारतीय युवाओं को अपने जाल में फंसा उन्हें पैसों का लालच देकर जासूस करा रही है। इस तरह के मामले ने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी आइबी व रॉ समेत दिल्ली व एनसीआर की पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में केंद्रीय एजेंसी समेत दिल्ली-एनसीआर की पुलिस को इंटेलीजेंस शेयरिंग, तकनीकी निगरानी व सामुदायिक पुलिसिंग से अपने सुरक्षा चक्र को अधिक मजबूत करना होगा। स्पेशल सेल के सुपर कॉप रहे अशोक चांद कहते हैं कि दिल्ली के हमेशा से आतंकियों के निशाने पर रहने के पीछे बड़ा कारण यह है कि यह सत्ता और अर्थव्यवस्था का केंद्र है,

इसलिए दिल्ली, सुरक्षा एजेंसियों की भी यहां पैनी नजर रहती है। आतंकवाद के बदलते स्वरूप ने सुरक्षा रणनीतियों को भी बदलने पर मजबूर कर दिया है। आज सुरक्षा का अर्थ केवल सीमाओं पर पहरा देना नहीं, बल्कि तकनीक, खुफिया जानकारी और त्वरित कार्रवाई का एक ऐसा जाल बुनना है जिससे किसी भी संगठन के लिए आंतरिक सुरक्षा चक्र को भी भेदना नामुमकिन हो सके। अशोक चांद का कहना है कि किसी भी क्षेत्र की सुरक्षा को तीन प्रमुख स्तरों पर मजबूत किया जा सकता है, जिनमें पहला इंटेलिजेंस शेयरिंग (खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान) है। एनसीआर की पुलिस किसी बड़े आयोजन से पहले सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए समन्वय बैठक करती तो है। लेकिन उन्हें इस तरह की बैठकों को नियमित करने की जरूरत है जो कारगर साबित होगा। दूसरा तकनीकी निगरानी यानी शहर में पर्याप्त संख्या में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे व फेश रिकग्निशन सिस्टम वाले कैमरे लगाने होंगे। साथ ही ड्रोंस के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखना होगा। तीसरा सामुदायिक पुलिसिंग यानी ''आंख और कान'' योजना के तहत स्थानीय रेहड़ी-पटरी वालों, गार्डों और आम नागरिकों को संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने व उनके बारे में पुलिस को तुरंत सूचना देने के लिए प्रशिक्षित देना होगा।

परंपरागत गश्त से आगे निकली पुलिस

दिल्ली से हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमाएं लगती है जिससे सुरक्षा की समस्या आती है हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा ढांचे में काफी बदलाव आए हैं। एनसीआर की पुलिस पारंपरिक गश्त से आगे निकल चुकी है। ''सेफ सिटी प्रोजेक्ट'' के तहत हजारों आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं जो न केवल चेहरा पहचान सकते हैं, बल्कि लावारिस वस्तुओं की सूचना भी तुरंत कंट्रोल रूम को देते हैं। एनसीआर में एनएसजी (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड) के कई कैंप हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में बहुत कम समय में मोर्चा संभाल सकते हैं। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस की ''स्वाट'' टीम भी है। ''स्वाट'' में अब महिला कमांडो भी शामिल हैं, जो इजरायली तकनीक ''क्राव मागा'' और आधुनिक हथियारों से लैस हैं। एनसीआर के प्रवेश द्वारों पर बैरिकेडिंग और सघन चेकिंग के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। संदिग्ध वाहनों की पहचान के लिए आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों का जाल बिछाया गया है, जिससे अपराधियों के एक शहर से दूसरे शहर में भागने में पता लग सकता है। तैयारियां पुख्ता होने के बावजूद, ''लोन वुल्फ अटैक'' (अकेले हमलावर) और ''साइबर टेररिज्म'' नई चुनौतियां बनकर उभरे हैं। जिनसे निपटने के लिए डार्क वेब की निगरानी और इंटरनेट मीडिया पर कट्टरपंथ को रोकने के लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि सुरक्षा केवल पुलिस या सेना की जिम्मेदारी नहीं है। मजबूत सुरक्षा चक्र तभी पूरा होता है जब तकनीक की सटीकता, सुरक्षा बलों की सतर्कता और आम लोगों की जागरूकता एक साथ मिलते हैं।

पिकनिक बना कालः महू में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, साथ आए युवक को बंधक बनाकर पीटा

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले से सटे महू क्षेत्र के बड़गोंदा थाना अंतर्गत बेरछा जंगल में मंगलवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दो युवकों ने घूमने आई एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, जबकि उसके साथ आए युवक को मारपीट कर काबू में कर लिया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता अपने मित्र के साथ महू घूमने आई थी। दोनों ने लगनचा भेरू के दर्शन किए। इसके बाद वे बेरछा जंगल में बैठे हुए थे। दोपहर करीब 2 बजे अचानक दो युवक वहां पहुंचे और युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। युवक को बुरी तरह पीटा गया और उसे काबू में रखा गया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने युवती के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। युवक किसी तरह जान बचाकर वहां से भाग निकला और 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़गोंदा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों आरोपी जंगल से फरार हो चुके थे। पुलिस ने पूरे जंगल की तलाशी ली, लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया और देर रात उसके बयान के आधार पर बड़गोंदा थाने में सामूहिक दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (इंदौर ग्रामीण) रुपेश द्विवेदी ने बताया कि युवती के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छानबीन की जा रही है।

मूल रूप से नालछा के रहने वाले हैं दोनों : सूत्रों के अनुसार युवक युवती मूल रूप से नालछा के रहने वाले हैं। युवक दिहाड़ी का काम करता है। पीड़िता इंदौर में रहकर कॉलेज में अध्ययनरत बताई जा रही है। घटना में युवक के दोनों हाथ और गले पर लाठी से मारपीट के निशान हैं। वहीं युवती के हाथ गले व शरीर पर खरोच के निशान हैं। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेरछा जंगल घूमने वालों के बीच लोकप्रिय है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यह क्षेत्र संवेदनशील माना जाता है।

दिल्ली में छात्रों का पर्यावरण के प्रति बढ़ेगा रुझान, स्कूलों में साल भर चलेगा जागरूकता अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के स्कूलों में छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक बनाने के लिए शिक्षा निदेशालय ने वर्षभर चलने वाले विशेष अभियान की शुरुआत करने का निर्देश दिया है। इस पहल के तहत सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक हर महीने अलग-अलग विषयों पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। निदेशालय ने कहा कि अप्रैल माह में प्लास्टिक प्रदूषण पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान निबंध लेखन, पेंटिंग प्रतियोगिता और सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस भी मनाया जाएगा। मई में वन्यजीव और जैव विविधता पर फोकस रहेगा, जिसमें स्लोगन लेखन, स्किट और पेंटिंग

प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाते हुए छात्रों को ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जून और जुलाई में प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने पर जोर दिया जाएगा। इस दौरान अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला, पोस्टर प्रतियोगिता और गीले-सूखे कचरे के अलग-अलग डिब्बों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस भी इसी अवधि में मनाया जाएगा।

जल प्रदूषण पर जागरूकता अभियान : जुलाई में वन्यजीव संरक्षण और जल प्रदूषण पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

स्कूलों में वाद-विवाद, क्विज और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, साथ ही रसायनों और मेडिकल वेस्ट के सही निस्तारण पर जोर दिया जाएगा। अगस्त में वन महोत्सव के तहत पौधारोपण, स्वच्छ परिसर अभियान, खाद और प्लागिंग जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाएगा। सितंबर में ओजोन परत क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इस दौरान व्याख्यान, समूह चर्चा और 16 सितंबर को ओजोन दिवस व 28 सितंबर को ग्रीन कंज्यूमर डे मनाया जाएगा।

वायु प्रदूषण पर विशेष फोकस : अक्टूबर 2026 से मार्च 2027 तक वायु प्रदूषण पर विशेष फोकस रहेगा। स्कूलों में पोस्टर, क्विज, रोल प्ले और चर्चाओं के जरिए जंगल की आग, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा और खुले में कचरा जलाने से बचाव जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जाएगी। साथ ही दिसंबर 2026 से मार्च 2027 के बीच धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के उपायों पर अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पानी का छिड़काव, पौधारोपण और निर्माण कार्यों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के उपाय शामिल हैं।

फंड की कमी से सूख गई वेलकम झील, अब विशेषज्ञों की टीम करेगी संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। 38 एकड़ में फैली वेलकम झील ने वक्त के साथ अस्तित्व खो दिया है। झील में पानी की एक बूंद नहीं है। निगम पिछले करीब छह वर्षों से इसका जीर्णोद्धार कर रहा है। लेकिन फंड की कमी की वजह से यह झील संवर नहीं सकी है। जिला विकास समिति इस झील को संवारने के लिए पर्यावरण विशेज्ञों की टीम बनाएगी। इसमें डीयू, जेएनयू के प्रोफेसर के साथ से पर्यावरणविद को भी शामिल किया जाएगा। यमुनापार में कई वर्ष पहले 54 जलाशय हुआ करते थे। इसमें झील, जोहड़ व तालाब शामिल थे, लेकिन वक्त के साथ यह लुप्त होते चले गए।

इन्हीं जलाशयों में शामिल थी वेलकम झील। करीब 40 साल से यह झील अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन ने पहली बार बायोडायवर्सिटी पार्कों के प्रभारी व विज्ञानी डॉ. फैयाज अहमद खुदसर, दीनदयाल शोध संस्थान के दिल्ली प्रभारी अमिताभ वशिष्ट के साथ निरीक्षण किया। चेयरमैन जितेंद्र महाजन ने कहा कि इस झील से लोगों का लगाव है। दिल्ली में पहली बार तीन इंजन की सरकार बनी है। फंड की कमी की वजह से यह झील संवर नहीं सकी। इसको संवारने के लिए पर्यावरण विशेज्ञों की टीम बनाई जाएगी। टीम के विशेषज्ञ जो भी सुझाव देंगे उसे दिल्ली सरकार को भेजा जाएगा। डा. फैयाज अहमद खुदसर व अमिताभ वशिष्ट को झील का अच्छे से निरीक्षण करवाया गया। उनसे पता किया गया कि किस तरह से इस झील को संवारने के लिए जन आंदोलन बना सकते हैं। वर्ष 2014 में इस झील को संवारने के लिए 22 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे।

राजस्थान में बीएपी नेता के भाई की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस मान रही प्रेम प्रसंग के कारण हुई घटना

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) नेता के भाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजन ने युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस इसे प्रेम प्रसंग के कारण हत्या मान रही है। सोमवार देर रात 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में झाड़ियों में मिला। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच में सामने आया है कि रात करीब 2 बजे बीएपी नेता को सरपंच प्रकाश का फोन आया था। सरपंच ने लोकेशन बताते हुए कहा कि तुम्हारा भाई झाड़ियों में पड़ा है। एसपी सुधीर जोशी ने कहा कि फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और कॉल डिटेल खंगाली जा रही हैं। मृतक शादीशुदा था और उसके दो छोटे बच्चे हैं।

वर्दी पहनकर धोखाधड़ी, शादी का झांसा देकर 60 महिलाओं को बनाया शिकार

हैदराबाद, एजेंसी। सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरकर एक महिला और उसके परिवार को शादी के लिए धोखा देने के आरोप में एक 30 वर्षीय युवक को हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का आरोपित सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध तरीके से फोटो खींचते हुए पैरामिलिट्री यूनिफार्म पहने पाया गया। उसे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा रोका गया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। वह एक तलाकशुदा महिला के साथ रिश्ते में था। उसने महिला से शादी करने की साजिश के तहत सीआईएसएफ कर्मी का रूप धरा था, जबकि उसने अपनी पहली पत्नी से अलगाव कर लिया था। आरोपित ने महिला के परिवार को बताया था कि वह हैदराबाद हवाई अड्डे पर सीआइएसएफ में तैनात है। अधिकारी ने कहा, उसने एक यूनिफार्म खरीदी और सोमवार को हैदराबाद हवाई अड्डे पर गया, जहां उसने अपने मोबाइल फोन पर फोटो खींचे। उसने ये फोटो महिला के परिवार को एक इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप से भेजे और यह दावा करने के लिए वीडियो कॉल भी किया कि वह सीआईएसएफ में काम कर रहा है और हवाई अड्डे पर तैनात है।पुलिस ने उसके खिलाफ पहचान छिपाने, धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कोर्ट से इजाजत के बाद भी जेल में प्रवेश नहीं कर पाई इमरान खान की बहनें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों को एक बार फिर अपने भाई से मिलने की अनुमति नहीं मिली। मंगलवार को उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल के अंदर जाने से रोक दिया गया। इसके बाद वे वापस चेकपोस्ट पर लौट गई, जहां पुलिस अक्सर उन्हें रोकती है। डॉन अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके चेहरे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो जाएं, ताकि जेल प्रशासन उनकी मौजूदगी से इनकार न कर सके। जब उनसे पूछा गया कि वह मुख्य गेट तक

कैसे पहुंचीं, तो अलीमा ने कहा कि वह इसका खुलासा नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर आगे भी वहां तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वह वहां रुक सकती थीं। लेकिन पुलिस अधिकारियों ने उन्हें वहां से जाने को कहा। वरना उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती थी।

अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान खान : 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। हाल के हफ्तों में उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मांग की है कि उन्हें आंख की बीमारी के कारण शिफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल ले जाया जाए।

नवंबर में बहन ने दायर की थी याचिका :नवंबर में उनकी बहन ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि उन्हें मिलने नहीं दिया जा रहा। अदालत ने हफ्ते में दो दिन मिलने की इजाजत दी है। परिवार के सदस्य और वकील मंगलवार और गुरुवार को मिल सकते हैं।

बड़ा खुलासाः ईरान को अमरिका के साथ वार्ता टेबल तक लाया चीन

पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका

बीजिंग, एजेंसी। भारत के पूर्व वरिष्ठ राजनयिक विद्या भूषण सोनी ने ईरान और अमेरिका के बीच हालिया वार्ता में चीन की अहम लेकिन पर्दे के पीछे भूमिका पर बड़ा खुलासा किया है।उनके मुताबिक, यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है कि ईरान बातचीत की मेज पर आया। सोनी ने कहा कि भले ही इस्लामाबाद में हुई वार्ता में कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ, लेकिन बातचीत का होना ही एक बड़ी सफलता है। विद्या भूषण सोनी का मानना है कि इतने संवेदनशील

मुद्दों पर पहली ही बैठक में समझौता होना संभव नहीं होता और इसके लिए कई दौर की बातचीत जरूरी होती है। सोनी ने बताया कि अमेरिका और ईरान दोनों मैक्सिमलिस्ट यानी कठोर शुरुआती मांगों के साथ वार्ता में पहुंचे थे, जिन्हें स्वीकार करना आसान नहीं था। लेकिन असली बातचीत टेबल के पीछे, यानी अनौपचारिक बैठकों और साइडलाइन चर्चाओं में हुई।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की, कहा- हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में। सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक स्वयं घोषित दुश्मन देश है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले

जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं।

उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

तुर्किये में पूर्व छात्र ने स्कूल पर की गोलीबारी, 16 लोग घायल, हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

तुर्किय, एजेंसी। दक्षिणपूर्वी तुर्किये के एक वोकेश्नल हाई स्कूल में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। सानलिउर्फा के राज्यपाल हसन सिल्दाक ने बताया कि 18 वर्षीय हमलावर के पास एक शॉटगन थी और उसने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित इस स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर उसी इमारत के अंदर छिप गया। उन्होंने बताया कि हमलावर ने बाद में उसी बंदूक से खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। सिल्दाक ने बताया कि इस हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, कैंटीन का एक कर्मचारी तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए। उन्होंने

बताया कि अधिकांश घायलों का इलाज सिवेरेक में किया जा रहा है जबकि गंभीर रूप से घायल शिक्षकों और छात्रों को प्रांतीय राजधानी के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस हमले का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इससे पहले मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हमलावर के आत्मसमर्पण करने से इनकार करने के बाद पुलिस की विशेष अभियान इकाइयों को तैनात किया गया जबकि सभी छात्रों को परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अगले 72 घंटों में सूरज दिखाएगा कड़े तेवर, पारा होगा 42 डिग्री के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। बदलते मौसम के बीच राजधानी में गर्मी और तापमान दोनों में ही वृद्धि देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को कहीं- कहीं अधिकतम तापमान 40 के करीब पहुंच गया। बुधवार को यह 40 डिग्री के पार और फिर आने वाले तीन दिनों में 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि मौसम विभाग ने 20 अप्रैल तक लू चलने की संभावना से इंकार किया है। दिन भर आसमान साफ रहने और तेज धूप निकले रहने से मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह इस सीजन में अभी तक का सर्वाधिक है। रिज क्षेत्र में तो यह 39.5 डिग्री तक चला गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री कम 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं हवा में नमी का स्तर 74 से 18 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को आसमान साफ रहेगा। तेज धूप भी निकली रहेगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 20 डिग्री रह सकता है। 17 और 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में बनी रही और पिछले 24 घंटों का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 167 रिकॉर्ड किया गया।

पीएम श्री स्कूल पनवार व सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल में टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय पनवार एवं सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल, सीधी में जिला स्वास्थ्य विभाग और लायनेस कामाख्या क्लब सीधी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ कार्यक्रम का मुख्य फोकस सर्वाइकल कैंसर से बचाव एवं एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम का संचालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे के निर्देशन में किया गया जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर रोग है जो समय रहते जागरूकता और टीकाकरण से रोका जा सकता है उन्होंने इसके प्रमुख कारणों, शुरुआती लक्षणों और बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला इस दौरान डीएचओ-1 एवं वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता तिवारी ने छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि 14 से 15 वर्ष 3 माह आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए यह टीका पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है उन्होंने जानकारी दी कि जिले में टीकाकरण अभियान 31 मई 2026 तक चलाया जाएगा और सभी पात्र बालिकाओं को इसका लाभ उठाना चाहिए जिला टीकाकरण टीम के सदस्य विकास सिंह ने उपस्थित छात्राओं को ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया समझाते हुए U-WIN पोर्टल के उपयोग की जानकारी दी उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल प्रमाणित जानकारी पर ही विश्वास करें कार्यक्रम में लायनेस कामाख्या क्लब सीधी की सदस्य शर्मिला सिंह, रचना राजे सिंह, अंजू शर्मा एवं रश्मि सोनी ने भी सहभागिता निभाई उन्होंने महिला स्वास्थ्य के प्रति समाज में निरंतर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया और भविष्य में भी इस प्रकार के अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया वहीं सृजन फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील पांडे ने कहा कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं को प्रत्येक घर तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं टाटा समूह के संस्थानों के निदेशक आर.बी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बेटियों का स्वास्थ्य सुरक्षित करना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों के टीकाकरण को प्राथमिकता दें पीएम श्री स्कूल पनवार की प्राचार्य प्रतिभा भार्गव ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने परिवार में जागरूकता फैलाएं और शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने में सहयोग करें कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया तथा मौके पर ही परामर्श और पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई जिला स्वास्थ्य विभाग ने पुनः स्पष्ट किया कि यह टीकाकरण पूरी तरह निःशुल्क है और निर्धारित तिथि 31 मई 2026 तक सभी पात्र बालिकाएं इसका लाभ उठा सकती हैं यह कार्यक्रम बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

लीला इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मड़वास ने फिर लहराया सफलता का परचम

मीडिया ऑडीटर, मड़वास (निप्र) लीला इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया है हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में छात्रों ने बेहतरीन अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है हाई स्कूल परीक्षा में अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया अपर्णा नामदेव ने 96 प्रतिशत आस्था द्विवेदी एवं गोल्डी जायसवाल ने 94-94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए पुष्पांजलि केवट एवं कृषि तिवारी ने 93 प्रतिशत, यश सेन और पीयूष जायसवाल ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित किए। वहीं केके गुप्ता, काजल शुक्ला एवं किन्शु गुप्ता ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हायर सेकेंडरी स्तर पर भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बायोलॉजी समूह में शिल्पा गुप्ता ने 89 प्रतिशत, गणित समूह में शिवम द्विवेदी ने 83 प्रतिशत तथा कॉमर्स समूह में रुकैया फातिमा ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया इस शानदार परिणाम के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है अभिभावकों ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था की सराहना की सभी सफल विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों अभिभावकों और निरंतर मेहनत को दिया यह परिणाम एक बार फिर साबित करता है कि लीला इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

रीवा में फर्जी नियुक्ति का मामला गरमाया! चोटीवाला ने कॉलेज प्रबंधन व मेडिकल बोर्ड पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसान नेता विश्वनाथ पटेल चोटीवाला ने शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र के आधार पर हुई नियुक्ति का गंभीर मामला उठाया है। चोटीवाला ने कॉलेज प्रबंधन और जिला मेडिकल बोर्ड पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं उनके मुताबिक एक पूरी तरह स्वस्थ व्यक्ति को दृष्टिबाधित का प्रमाण पत्र कैसे जारी किया गया यह सवाल खड़ा करता है इस संदर्भ में चोटीवाला ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में सिलपरा निवासी संजीत चतुर्वेदी को भृत्य पद पर नियुक्ति दी गई थी, लेकिन चयन प्रक्रिया में कई अनियमितताएँ थीं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्राचार्य ने पुराने विज्ञापन को निरस्त कर नया आदेश जारी किया था जिसमें पहले आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं बताई गई इस तरह चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव था चोटीवाला ने आगे बताया कि नियुक्ति के समय शैक्षिक योग्यता रोजगार पंजीयन और विकलांगता प्रमाण पत्र का सत्यापन किया गया, लेकिन इस प्रक्रिया में यह तथ्य नजरअंदाज कर दिया गया कि संजीत चतुर्वेदी का विकलांगता प्रमाण पत्र 2005 का था और उसे नवीनीकरण नहीं कराया गया था उन्होंने आरोप लगाया कि विकलांगता प्रमाण पत्र की वैधता सामान्यतः सीमित होती है और समय-समय पर उसका नवीनीकरण अनिवार्य होता है इसके बावजूद इस मामले में पुराने प्रमाण पत्र को मान्य मान लिया गया चोटीवाला ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है इस मामले के बाद जिला प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है और लोगों ने इस फर्जी नियुक्ति के मामले में कठोर कदम उठाने की अपील की है।

अबला नहीं सबला बनी महिलाएं: आजीविका मिशन ने बदली पहचान महुआ नेट बना सहारा श्रम में राहत, पर्यावरण को फायदा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के विकासखंड मझौली सीधी एवं रामपुर नैकिन के ग्रामीण अंचलों में महिलाओं की आजीविका और जीवनशैली में एक सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश राज्य आजीविका मिशन एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के संयुक्त सहयोग से संचालित हरित भारत फंड परियोजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनती जा रही है मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया बदलाव लाया है ग्राम गजरी की महिमा उत्पादक समूह की अध्यक्ष मंजू सिंह एवं सचिव कलावती साकेत बताती हैं कि पहले महुआ संग्रहण जमीन से बीनकर किया जाता था जिससे महुआ काला पड़ जाता था और उसमें धूल-कंकर की मिलावट रहती थी इससे फूड ग्रेड महुआ मिल पाना मुश्किल होता था। लेकिन अब महुआ नेट के उपयोग से साफ-सुथरा और उच्च गुणवत्ता वाला महुआ प्राप्त हो रहा है जिससे बाजार में मूल्य भी अच्छा प्राप्त हो रहा है ग्राम अमझर की सीताबाई ने बताया कि पहले महुआ बीनने में आसानी के लिए पेड़ों के नीचे आग लगा दी जाती थी जिससे जंगल में आग लगने का खतरा और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता था। अब हरित भारत फंड परियोजना के प्रशिक्षण के बाद महिलाएं बिना आग लगाए महुआ नेट का उपयोग कर रही हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है ग्राम खड़ी खुर्द की कृष्णाकली साहू के अनुसार पहले पूरे परिवार यहां तक कि बच्चे भी महुआ बीनने में लगे रहते थे जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती थी अब महुआ नेट के कारण मेहनत कम हो गई है और बच्चे नियमित रूप से स्कूल जा पा रहे हैं साथ ही महुआ सुरक्षित भी रहता है और आवारा पशुओं से नुकसान नहीं होता।

नेबूहा, बरमानी, कपुरी कोठार व डोल में 18 अप्रैल को लगेगा स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को निःशुल्क एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है यह पहल कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है जारी कार्यक्रम के अनुसार 18 अप्रैल 2026 को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे इनमें धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेबूहा, सीधी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरमानी, चुरहट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कपुरी कोठार तथा सिहावल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत डोल शामिल हैं इन शिविरों का आयोजन संबंधित ग्राम पंचायत भवन सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय भवनों में किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को सुविधा मिल सके। प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु ग्रामों में मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इसकी जानकारी दी जा रही है शिविरों में चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श एवं आवश्यक दवाओं का वितरण किया जाएगा साथ ही पात्र हितग्राहियों के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे स्वास्थ्य शिविर में आते समय अपने साथ आधार कार्ड एवं समग्र आईडी अनिवार्य रूप से लेकर आएं, ताकि योजनाओं का लाभ शीघ्रता से प्रदान किया जा सके।

जवा में धूमधाम से मनाई गई 135वीं जयंती, निकली विशाल रैली 'शिक्षा से ही समाज का विकास' - रमाशंकर सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा तहसील में महात्मा ज्योतिराव फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही उत्साह, गरिमा और श्रद्धा के साथ मनाई गई। जयंती आयोजन समिति जवा, जिला रीवा के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सुशील कुमार सिंह बाबा (बरौली) ने किया। कार्यक्रम का आयोजन जवा जनपद मैदान में हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की सहभागिता देखने को मिली जयंती समारोह के अवसर पर जवा बाजार में एक विशाल रैली निकाली गई रैली में शामिल लोगों ने बाबा साहब और महात्मा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया पूरे नगर में बाबा साहब अमर रहें और महात्मा फुले अमर रहें के नारों की गूंज सुनाई दी जिससे वातावरण सामाजिक समानता और जागरूकता के संदेश से सराबोर हो गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अपर जिला न्यायाधीश भैयालाल वर्मा उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व त्योंथर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी रमाशंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक रामगरीब वनवासी ने की तथा मंच संचालन वरिष्ठ समाजसेवी नागेंद्र सिंह द्वारा किया गया समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई इसके पश्चात वक्ताओं ने बाबा साहब एवं महात्मा फुले के संघर्षमय जीवन उनके विचारों और समाज सुधार के योगदान को विस्तार से याद किया विशिष्ट अतिथि रमाशंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि समाज का वास्तविक विकास शिक्षा से ही संभव है उन्होंने लोगों से अपील की कि वे संविधान की प्रस्तावना को पढ़ें और उसमें निहित समानता भाईचारा एवं मानवता के मूल्यों को अपनाएं मुख्य अतिथि भैयालाल वर्मा ने भी शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यदि समाज शिक्षित होगा तभी वह प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकेगा आयोजक सुशील कुमार सिंह ने बताया कि समाज को अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और ढोंग से मुक्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बाबा साहब की 22 प्रतिज्ञाओं की जानकारी भी दी गई इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने यह संदेश दिया कि आज भी महापुरुषों के विचार समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं।

उचित मूल्य दुकान संचालक पर लगे आरोप निराधार, जमीनी विवाद से जुड़ा मामला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्राम पंचायत नगवा की सहकारी उचित मूल्य दुकान के संचालक पर लगाए गए अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर नया मोड़ सामने आया है संचालक ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें निराधार बताया है और पूरे मामले को व्यक्तिगत जमीनी विवाद से जुड़ा बताया है मामले में नगवा सरपंच सुशीला पांडे, कमलकांत तिवारी, रविकरण उपाध्याय बृजेन्द्र द्विवेदी और बृजलाल सोनी के नाम से कलेक्टर को शिकायत प्रस्तुत की गई थी शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उचित मूल्य दुकान में उपभोक्ताओं को कम तौल में अनाज दिया जा रहा है मशीन से पर्ची निकालकर रख ली जाती है और हितग्राहियों को खाद्यान्न नहीं दिया जाता इसके साथ ही दुकान समय पर न खोलने और उपभोक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हालांकि दुकान संचालक ने इन सभी आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि उनके यहां प्रत्येक माह लगभग 98 प्रतिशत खाद्यान्न का नियमित वितरण किया जाता है और किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं बरती जा रही है उन्होंने दावा किया कि सभी हितग्राहियों को समय पर और नियमानुसार खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है इस बीच सरपंच सुशीला पांडे ने भी स्पष्ट किया कि उन्होंने इस तरह की कोई शिकायत नहीं की है और न ही उन्हें इस मामले की जानकारी है उन्होंने आशंका जताई कि किसी ने उनके नाम का दुरुपयोग कर शिकायत दर्ज कराई है दुकान संचालक ने आगे बताया कि बृजलाल सोनी के साथ उनका पुराना जमीनी विवाद चल रहा है और इसी कारण उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से यह साजिश रची गई है उन्होंने यह भी कहा कि बृजलाल सोनी खुद दुकान के उपभोक्ता भी नहीं हैं मामले ने अब प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है और निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

अपाक्स संगठन ने टीडीएस पैलेस में मनाई डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती

बाबा साहब के विचारों पर चलने का लिया संकल्प, बड़ी संख्या में जुटे अधिकारीकर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संगठन (अपाक्स) द्वारा 14 अप्रैल 2026 को टीडीएस पैलेस, रीवा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कार्यक्रम का आयोजन अपाक्स जिला इकाई रीवा द्वारा किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुधा सोनी (प्राध्यापक) उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बीबी सिंह, धीरेंद्र सिंह, इंजीनियर एस.वी. रावत, बी.पी. सिंह, रोहणी प्रताप सिंह, कुँवर सिंह पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.एन. पटेल ने की, वहीं संचालन अपाक्स जिला अध्यक्ष डॉ. विजयपाल सिंह द्वारा किया गया कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें कक्षा 4 की छात्रा सान्या सिंह ने संविधान की प्रस्तावना का प्रभावशाली वाचन किया इसके पश्चात अतिथियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने संबोधन में बाबा साहब के जीवन उनके संघर्ष और समाज सुधार में दिए गए अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज को समानता शिक्षा और अधिकारों का मार्ग दिखाया जो आज भी प्रासंगिक है। वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, शिक्षा के महत्व और संवैधानिक अधिकारों पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज को आगे बढ़ाना है तो शिक्षा और जागरूकता को प्राथमिकता देनी होगी इस आयोजन में असीम सिंह, आशीष सिंह, कमलेश कबीर, के.वी. सिंह, फूलकुमारी साकेत, सुखलाल साकेत, रामलखन सोनी, एम.आर. प्रजापति, लीला पटेल, माया सिंह, अरुण सिंह, पवन सिंह, अजेस कोल, रमेश वर्मा, बालेंद्र पटेल, राजेश पटेल सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग, अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में संजय सिंह द्वारा आभार व्यक्त किया गया। आयोजन ने सामाजिक एकता और जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

जोन्हा गांव में NCC और BSNL कम्पनी के खोदे गए में गड्ढे ने युवक की ले ली जान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जवा तहसील अंतर्गत ग्राम जोन्हा में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। NCC द्वारा सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में गिरने से युवक की मौत हो गई मृतक की पहचान ग्राम पंचायत जोन्हा निवासी नीरज वर्मा के रूप में हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार नीरज वर्मा अपने जन्मदिन के अवसर पर केक लेने अतरैला बाजार जा रहा था इसी दौरान सामने से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में वह सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में गिर गया हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर है वहीं पूरे गांव में आक्रोश का माहौल बना हुआ है ग्रामीणों का आरोप है कि एनसीसी कंपनी और बीएसएनएल द्वारा तराई क्षेत्र में सड़कों के किनारे गड्ढे खोद दिए गए हैं लेकिन उन्हें भरा नहीं गया इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें और खबरें सामने आ चुकी है लेकिन न तो कंपनियों द्वारा कोई सुधार किया गया और न ही प्रशासन ने ध्यान दिया घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि दोनों कंपनियों के खिलाफ लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षेत्र में खोदे गए सभी गड्ढों को तत्काल भरवाने की भी मांग की गई है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

उम्मीदों का गलियारा : हरित दृष्टिकोण का दिल्ली-देहरादून राजमार्ग

संपादकीय

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।

हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है।

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता — फिर गांधी का समय '

भूपेन्द्र गुप्ता

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है–यह दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी कभी नहीं रही। विज्ञान ने चमत्कार किए हैं, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं, और उत्पादन ने रिकॉर्ड बनाए हैं। फिर भी, भूख है, भय है, युद्ध है और भीतर एक गहरा असंतोष है। सवाल उठता है–आख़िर क्यों?

संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी, करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास हमें एक ही निष्कर्ष तक ले जाता है–समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है।

इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने स्पष्ट कहा था– 'पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।' यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण है।

आज का मानव 'आवश्यकता' से नहीं, बल्कि 'अतृप्त इच्छाओं' से संचालित हो रहा है। राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा से आगे बढ़कर संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ में लगे हैं। ऊर्जा, जल और खनिज–ये अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसाधनों पर वर्चस्व की यह लड़ाई कितनी विनाशकारी हो सकती है।

हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन को गहरा करती है। जब विकास का केंद्र 'मुनाफा' बन जाता है और 'मानव' पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ हाथों में सिमट जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर अधिकार जमा लेते हैं, जबकि आम जन संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है।

गांधी जी का 'अपरिग्रह' हमें इसी संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। अपरिग्रह का अर्थ है–संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपनाएँ, तो संसाधनों पर अनावश्यक दबाव कम हो सकता है और संतुलन स्थापित हो सकता है।

इसके साथ ही, गांधी जी का 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत आज के कॉर्पोरेट और आर्थिक ढांचे के लिए एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा था कि जिनके पास अधिक संपत्ति है, वे उसके मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। यदि यह भावना विकसित हो जाए, तो संपत्ति का उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए किया जा सकता है।

आज दुनिया को केवल नीतिगत सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। हमें 'मैं और मेरा' की सीमाओं को तोड़कर 'हम और हमारा' की ओर बढ़ना होगा। जब तक हम स्वयं को एक वैश्विक परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक शांति और संतुलन की कल्पना अधूरी रहेगी।

सरकारों को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूनतम जीवन स्तर को हर व्यक्ति का अधिकार बनाएँ। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है–व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन। हमें अपने उपभोग, अपनी आवश्यकताओं और अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। क्या हमें वास्तव में उतना ही चाहिए जितना हम इकट्ठा कर रहे हैं? या हम अनजाने में किसी और के हिस्से को छीन रहे हैं? आज का समय हमें एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा करता है। एक ओर वह मार्ग है जो हमें और अधिक प्रतिस्पर्धा, असमानता और संघर्ष की ओर ले जाता है। दूसरी ओर वह मार्ग है जो संतुलन, सहयोग और शांति की ओर जाता है। यह चयन हमें करना है। यदि हम गांधी के विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर उन्हें अपने जीवन और नीतियों में उतारें, तो एक नई दुनिया की शुरुआत हो सकती है–एक ऐसी दुनिया जहाँ संपन्नता का अर्थ केवल संग्रह नहीं, बल्कि साझा करना हो; जहाँ विकास का उद्देश्य केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलना हो।

बिहार में भाजपा का युग: एक नया राजनीतिक अध्याय

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सौरभ वार्ष्णेय

बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं–जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना–ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है।

हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा।

बिहार में सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना–ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी।

अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है।

सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया। सम्राट चौधरी बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। बीजेपी में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी के रणनीतिक निर्णयों के चलते सम्राट चौधरी को बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बनाया गया। मुख्यमंत्री बने तो यह उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता का परिणाम माना जाएगा।

उनकी राजनीतिक विशेषताएं। ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। आक्रामक और स्पष्ट वक्ता सहित संगठन और जनाधार दोनों पर पकड़ रखते हैं।

सम्राट चौधरी का करियर यह दिखाता है कि बिहार की राजनीति में लगातार सक्रियता, रणनीति और समय के अनुसार निर्णय लेना कितना महत्वपूर्ण है। वे आज राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। 2026 के अनुसार भाजपा के 16 वें राज्य के मुख्यमंत्री होंगे सम्राट चौधरी ।

नीतीश कुमार युग का अंत–नीतीश कुमार का नाम बिहार की राजनीति में एक लंबे समय तक स्थिरता, सुशासन और सामाजिक संतुलन के प्रतीक के रूप में लिया जाता रहा है। लगभग दो दशकों तक विभिन्न चरणों में सत्ता संभालने वाले नीतीश कुमार ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दी। लेकिन अब बदलते राजनीतिक समीकरण और नेतृत्व की नई मांगों के बीच उनके युग के अंत की चर्चा तेज हो रही है। नीतीश कुमार का उदय ऐसे समय में हुआ जब बिहार राजनीतिक अस्थिरता और पिछड़ेपन की छवि से जूझ रहा था। उन्होंने सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। सुशासन बाबू के रूप में उनकी पहचान बनी, जो प्रशासनिक दक्षता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। हालांकि, समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों में बार-बार बदलाव–कभी के साथ गठबंधन, तो कभी किसी के साथ–ने उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। गठबंधनों की इस राजनीति ने उन्हें सत्ता में बनाए रखा, लेकिन जनता के एक वर्ग में असमंजस और असंतोष भी पैदा किया। आज बिहार की राजनीति में युवा नेतृत्व, नई सोच और स्पष्ट वैचारिक दिशा की मांग बढ़ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार का नेतृत्व पहले जैसा प्रभावशाली नहीं दिखता। उनकी उम्र, बदलते राजनीतिक हालात और लगातार बदलते समीकरण इस बात का संकेत देते हैं कि राज्य अब एक नए नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। यह भी सच है कि किसी भी नेता का राजनीतिक जीवन स्थायी नहीं होता। हर युग का एक अंत होता है और एक नई शुरुआत भी। नीतीश कुमार के योगदान को नकारा नहीं जा सकता–उन्होंने बिहार को एक मजबूत आधार दिया, जिस पर आगे का विकास संभव है। नीतीश युग का अंत केवल एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। आने वाला समय यह तय करेगा कि यह परिवर्तन राज्य के लिए कितना सकारात्मक साबित होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

हाथियों की विरासत: जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

(16 अप्रैल हाथी बचाओ दिवस पर विशेष आलेख)

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

सुनील कुमार महला

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गई, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं। दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई। एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके। (सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भव्य पदयात्रा, महिलाओं की ऐतिहासिक भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में आज महिलाओं के सशक्तिकरण और जागरूकता को समर्पित एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया यह पदयात्रा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया पदयात्रा की शुरुआत साईं मंदिर तिराहा से हुई जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए राम मंदिर तक पहुँची पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने नारी सम्मान, समान अधिकार और महिला सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया इस दौरान महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रभावशाली बना दिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाना और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी के लिए प्रेरित करना था उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लागू किया जा रहा यह अधिनियम देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है पदयात्रा के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और महिला प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को न केवल राजनीतिक रूप से सशक्त बनाएगा बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी सशक्त भूमिका निभाने का अवसर देगा उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तभी परिवार समाज और देश का समग्र विकास संभव होगा इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया साथ ही बताया गया कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में भी महिलाओं के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं विशेष रूप से महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है जिससे उनकी आत्मनिर्भरता में लगातार वृद्धि हो रही है पदयात्रा में शामिल महिलाओं का उत्साह देखने योग्य था उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए यह संदेश दिया कि आज की नारी जागरूक आत्मनिर्भर और अपने अधिकारों के प्रति सजग है कार्यक्रम में रामनरेश राय (महापौर, चिरमिरी), यशवंती सिंह, उदित नारायण सिंह, रामजीत लकड़ा, रेणुका सिंह, जानकी बाई खुसरो, ज्योति गुप्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेइस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं बल्कि एक सशक्त जनआंदोलन बन चुका है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश पुलिस ने दो सप्ताह में 74 लाख रुपए से अधिक के 491 गुम मोबाइल फोन खोजकर लौटाए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में आमजन की गुम एवं चोरी हुई संपत्ति की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। विगत दो सप्ताह में पुलिस ने आधुनिक तकनीक CCTNS पोर्टल साइबर विश्लेषण एवं स्थानीय आसूचना की मदद से कुल 491 मोबाइल फोन बरामद कर वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए हैं इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत 74 लाख रुपए से अधिक बताई गई है मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस का आभार जताया है। पुलिस द्वारा यह कार्रवाई प्रदेश के विभिन्न जिलों में साइबर सेल और थाना पुलिस के संयुक्त प्रयासों से की गई मुरैना जिले में साइबर सेल और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए लगभग 211 गुम मोबाइल फोन ट्रेस किए, जिनकी कीमत करीब 31 लाख रुपए आंकी गई है सभी मोबाइल संबंधित मालिकों को विधिवत लौटाए गए बैतूल जिले में साइबर सेल और थाना पुलिस ने संयुक्त प्रयासों से 100 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कीमत लगभग 9 लाख रुपए है। ये मोबाइल देश के विभिन्न राज्यों और मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों से ट्रेस किए गए थे रतलाम जिले के आलोट थाना पुलिस ने 21 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपए है जबलपुर पुलिस ने ष्टष्ट्रहृस् पोर्टल के माध्यम से 148 मोबाइल फोन ट्रेस कर संबंधित धारकों को सुपुर्द किए जिनकी अनुमानित कीमत 25 लाख रुपए बताई गई है जीआरपी जबलपुर द्वारा रेलवे स्टेशन पर विशेष चेकिंग के दौरान एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 6 महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं भोपाल के हबीबगंज थाना पुलिस ने मोबाइल लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 5 आईफोन सहित अन्य मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

भीषण गर्मी में राहत: गांव-गांव पहुंचकर हैंडपंप दुरुस्त कर रहीं मरम्मत टीमें

जल संकट से निपटने के लिए प्रशासन का अभियान तेज, ग्रामीणों को मिल रही राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा राहत पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है ग्रामीण क्षेत्रों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत को प्राथमिकता देते हुए विभाग की टीमें लगातार सक्रिय हैं और गांव-गांव पहुंचकर त्वरित सुधार कार्य कर रही हैं तेज धूप और बढ़ती जल मांग को देखते हुए विभाग ने विशेष रणनीति तैयार की है इसके तहत मरम्मत दलों का गठन किया गया है जो सुबह से ही फील्ड में पहुंचकर हैंडपंपों की जांच मरम्मत और आवश्यक पुर्जों के प्रतिस्थापन का कार्य कर रहे हैं विभाग का लक्ष्य है कि किसी भी गांव में पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो और सभी खराब हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र चालू किया जाए इसी अभियान के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत कुवारपुर में लंबे समय से खराब पड़े एक हैंडपंप को सुधारकर पुनः चालू किया गया। इसके चालू होते ही आसपास के ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिलने लगा जिससे भीषण गर्मी के बीच बड़ी राहत महसूस की जा रही है स्थानीय लोगों ने विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मरम्मत कार्य से उनकी दैनिक जल समस्या का समाधान हो गया है विभाग द्वारा जिले के विभिन्न गांवों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है जहां भी हैंडपंप खराब पाए जा रहे हैं वहां तत्काल मरम्मत की जा रही है इसके साथ ही भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए नियमित संधारण (मेंटेनेंस) पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गर्मी के इस मौसम में पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है इसके लिए संसाधनों की उपलब्धता तकनीकी टीमों की तैनाती और निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल का उपयोग संयमित रूप से करें और किसी भी प्रकार की जल समस्या होने पर तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें ताकि समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके इस अभियान के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में राहत का माहौल है और लोगों को भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट से काफी हद तक निजात मिल रही है।

ठेला लगाने वाले की बेटियां एमपी टॉपर

2 सगी बहनों ने हासिल किया पहला-दूसरा स्थान 12वीं में 14 और 10वीं में 8 छात्र मेरिट मे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। खुशी धाकड़ मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा परिणामों में शिवपुरी जिले के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है जिले की 2 सगी बहनों ने 12वीं के कृषि (एग्रीकल्चर) संकाय में प्रदेश में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया है वर्तमान में इन छात्राओं की सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है और वे आगे पीएटी की तैयारी कर रही हैं इंडियन पब्लिक स्कूल की दो सगी बहनों चंचल कुशवाह और प्रीति कुशवाह ने कृषि संकाय में इतिहास रच दिया है चंचल ने 493 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला और प्रीति ने 488 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। इन दोनों के पिता ठेला लगाकर सब्जी बेचते हैं आर्थिक सीमाओं के बावजूद दोनों बहनों ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसी संकाय में रेस्टोरेंट संचालक के पिता की बेटी तुलसी राजावत ने भी 493 अंक के साथ प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है वह आगे कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं जिले के 21 विद्यार्थियों ने बनाई टॉप-10 में जगह इस साल एमपी बोर्ड के परीक्षा परिणामों में शिवपुरी जिले से कुल 21 विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान पाया है इनमें 12वीं की टॉपर सूची में जिले के 14 छात्र शामिल हैं जबकि 10वीं में 8 विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट में अपनी जगह पक्की की है ओवरऑल परीक्षा परिणाम के मामले में शिवपुरी जिला प्रदेश में 12वीं में 29वें और 10वीं में 34वें स्थान पर रहा है कृषि संकाय में शिवपुरी के छात्रों का दबदबा सबसे ज्यादा चर्चा 12वीं के कृषि संकाय की रही, जहां जिले के छात्रों का प्रदेश स्तर पर दबदबा रहा चंचल और तुलसी (पहला) व प्रीति (दूसरा) के अलावा संजना धाकड़ ने 487 अंक के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

खेल मैदान में मूर्ति रखने पर विवाद बिना अनुमति रखी प्रतिमा हटाने की अपील पर धरने पर बैठे ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के दिनारा थाना क्षेत्र स्थित छितीपुर गांव में खेल मैदान के बीच बिना अनुमति मूर्ति स्थापित करने पर विवाद हो गया है घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से मूर्ति हटाने की अपील की इसके विरोध में ग्रामीण मूर्ति के चारों ओर बैठकर धरने पर बैठ गए हैं वर्तमान में थाना प्रभारी ने मामले की सूचना अनुविभागीय अधिकारी को दे दी है और उनके निर्देशानुसार आगे की जांच व कार्रवाई की जाएगी खेल मैदान के बीच अज्ञात लोगों ने रखी मूर्ति ग्रामीण हुए जमा यह घटना छितीपुर गांव के शासकीय खेल मैदान की है इस मैदान का उपयोग गांव के युवा क्रिकेट और अन्य खेलों के लिए करते हैं। यहां अज्ञात लोगों द्वारा मैदान के बीच में एक मूर्ति स्थापित कर दी गई। जैसे ही मूर्ति रखे जाने की खबर गांव में फैली बहुजन समाज की महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए पुलिस की समझाइश बेअसर मूर्ति के पास बैठकर किया प्रदर्शन दिनारा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया कि किसी भी सार्वजनिक या शासकीय भूमि पर मूर्ति स्थापित करने के लिए प्रशासनिक अनुमति आवश्यक होती है पुलिस ने स्पष्ट किया कि खेल मैदान के बीच मूर्ति होने से खिलाड़ियों को खेल गतिविधियों में बाधा आएगी। हालांकि पुलिस की इस समझाइश के बावजूद ग्रामीण अपनी बात पर अड़े रहे और मूर्ति के पास बैठकर विरोध प्रदर्शन जारी रखा इस स्थिति के कारण मौके पर तनाव का माहौल बन गया दिनारा थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि 'शासकीय भूमि पर अज्ञात लोगों द्वारा मूर्ति रखी गई है, जो गांव के युवाओं के खेल के लिए इस्तेमाल होती है मामले की सूचना अनुविभागीय अधिकारी को दे दी गई है और उनके निर्देशानुसार आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी।'

1 महीने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन, पोहरी बस स्टैंड से ब्रिज तक का रास्ता बंद; जानिए नए रूट्स

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पोहरी फाटक रेलवे ओवर ब्रिज पर आरई वॉल और सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू हो गया है इसके चलते आज 15 अप्रैल से शहर में करीब एक महीने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन लागू कर दिया गया है वर्तमान में पोहरी बस स्टैंड के पहले गेट से लेकर ब्रिज तक का रास्ता पूरी तरह बंद है और प्रशासन ने यातायात सुचारू रखने के लिए वाहनों के वैकल्पिक मार्ग तय कर दिए हैं पोहरी की तरफ जाने वाले वाहन मनियर अंडरपास से गुजरेंगे यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रशासन ने नए रूट निर्धारित किए हैं। पोहरी की ओर जाने वाले सभी चार पहिया और भारी वाहन अब मनियर अंडरपास से होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे वहीं दूसरी तरफ शिवपुरी शहर में प्रवेश करने वाले वाहन रेलवे फाटक से होते हुए कमला हेरिटेज होटल मार्ग का उपयोग कर सकेंगे बस स्टैंड से पोहरी जाने वाले दोपहिया वाहनों को छूट प्रशासन द्वारा लागू की गई इस डायवर्जन व्यवस्था में स्थानीय दोपहिया वाहन चालकों को थोड़ी राहत दी गई है पोहरी बस स्टैंड से पोहरी की ओर जाने वाले दोपहिया वाहनों के लिए रास्ता चालू रखा गया है हालांकि, बड़े वाहनों के लिए पोहरी बस स्टैंड के पहले गेट से लेकर ब्रिज तक का मार्ग करीब एक महीने तक बंद रहेगा यातायात प्रभारी ने की डायवर्जन मार्ग का पालन करने की अपील यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि निर्माण कार्य को सुरक्षित और समय सीमा में पूरा करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि, 'वे निर्धारित डायवर्जन मार्ग का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।'

58 वर्षीय महिला ने रक्तदान कर दिया संदेश कांग्रेस ने आयोजित किया वृहद शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर मनेंद्रगढ़ में कांग्रेस पार्टी द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग रक्तदान करने पहुंचे कार्यक्रम में भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो भी शामिल हुए उन्होंने स्वयं रक्तदान कर उपस्थित लोगों को प्रेरित किया कमरो ने कहा कि रक्तदान एक महादान है जिससे जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सकता है उनके इस कदम से लोगों में उत्साह बढ़ा और बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया महिलाऐं भ्रांतियों के कारण रक्तदान से हिचकती हैं शिविर की एक खास बात यह रही कि 58 वर्षीय संतोष अग्रवाल नाम की महिला ने भी बिना किसी झिझक के रक्तदान किया उनके इस कार्य से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया आयोजकों ने बताया कि महिलाएं अक्सर भ्रांतियों के कारण रक्तदान से हिचकती हैं जबकि स्वस्थ महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित तरीके से रक्तदान कर सकती हैं रक्तदान स्वास्थ्य के लिए लाभकारी:डॉक्टशिविर में मौजूद डॉक्टर्स ने जानकारी दी कि रक्तदान से शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नियमित रक्तदान के प्रति जागरूक किया गया और अधिक से अधिक लोगों से इस पुण्य कार्य में भाग लेने की अपील की गई रक्तदान सबसे बड़ा दान है पूर्व विधायक गुलाब कमरो रक्तदान करने के बाद पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा रक्तदान सबसे बड़ा दान है और यह सीधे किसी की जान बचाने का माध्यम है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष सौरव मिश्रा द्वारा की गई यह पहल अत्यंत सराहनीय है जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने भी रक्तदान करते हुए कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए इस शिविर में पत्रकार निजाम पुलिस विभाग से मनोज सिंह और रवि साहू सहित शहर के अन्य नागरिकों ने भी रक्तदान कर समाज सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

नर्मदापुरम में शुरू होगा विधायक कप फुटबॉल लीग सीहोर की टीमें लेंगी हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में विधायक कप नर्मदांचल फुटबॉल लीग आज बुधवार से शुरू होगी 19 अप्रैल तक रोजाना नाइट में मैच होंगे जिसमें नर्मदापुरम के अलावा पचमढ़ी भुसावल अमरावती नागपुर विदिशा सीहोर मप्र पुलिस नागपुर की टीमें भाग लेंगी शाम 6 बजे टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और नर्मदापुरम-इटारसी विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा की अध्यक्षता में होगा शुभारंभ सभी धर्मों के धर्माचायों द्वारा गुब्बारे उड़ाकर किया जाएगा पांच दिन नाइट टूर्नामेंट के मैच होंगे दूसरे दिन के मुकाबले मुख्य रूप से महिला फुटबॉल पर केंद्रित रहेंगे प्रतियोगिता सीनियर जूनियर मिनी तीन श्रेणियों में हो रही है अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे।

एमपी बोर्ड 10, 12वीं का नर्मदापुरम में निराशाजनक परिणाम

प्रदेश की टॉप-10 में नर्मदापुरम को नहीं मिला स्थान, 5.79 फीसदी घटा रिजल्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) कक्षा की 10वीं, 12वीं का परीक्षा परिणाम आज सुबह 11 बजे जारी हो गया इस साल जिले में 26500 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिनके रिजल्ट का इंतजार 11 बजे खत्म हुआ। एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं,12 वीं का परिणाम निराशाजनक रहा। नर्मदापुरम में पिछले साल के मुकाबले कक्षा 10वीं का रिजल्ट 5.79 12वीं 1.15 प्रतिशत घटा है इस साल कक्षा 10वीं का परिणाम 78.29 प्रतिशत और 12वीं का परिणाम 81.91 प्रतिशत रहा जबकि पिछले साल 10वीं का 84.08, 12वीं का 83.06प्रतिशत था। रिजल्ट जारी होते ही विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख रहे है।कक्षा 10वीं और 12वीं में प्रदेश के टॉप 10 की सूची में नर्मदापुरम जिले के एक भी विद्यार्थी का नाम शामिल नहीं है। 10वीं में 1 से 10 स्थान तक में 378 विद्यार्थी रहे जिसमें एक भी विद्यार्थी को स्थान नहीं मिला। 12वीं में आर्ट्स विषय में 32, गणित विषय में 69, कॉमर्स विषय में 63 विद्यार्थियों ने 10 स्थान पर रहे कृषि विषय में टॉप 5 में 9, गृह विज्ञान टॉप 3, जीव विज्ञान विषय में टॉप 45 विद्यार्थियों को स्थान मिला। स्टूडेंट्स घर बैठे अपना रिजल्ट इस ऑफिशियल लिंक पर जाकर देख सकते हैं। नर्मदापुरम में 26500 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी रेगुलर/प्राइवेट 10वीं में 12वीं रेगुलर 13753 10843 प्राइवेट 873 1031 कुल 14626 11874 एक्सपर्ट की सलाह: तनाव से बचें छात्र परीक्षा के दौरान छात्रों की सेहत को लेकर भी विशेषज्ञों ने सलाह दी है डॉक्टरों और काउंसलर्स ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उन्हें मानसिक रूप से सहयोग दें सही दिनचर्या पर्याप्त नींद और संतुलित आहार से बेहतर प्रदर्शन संभव है।

रास्ता भटकी 08 वर्षीय बालिका को डायल-112 ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विदिशा जिले के थाना सिविल लाइन क्षेत्र में डायल-112 की तत्परता और संवेदनशीलता से एक 08 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिला दिया गया इस मानवीय पहल से बच्ची को समय पर सुरक्षा और परिवार का स्नेह पुनः प्राप्त हुआ जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र के ग्राम रामपुरा में एक छोटी बालिका अकेली भटक रही है और उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता है सूचना मिलते ही डायल-112 की एफआरव्ही टीम को मौके के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुंचकर आरक्षक गजेंद्र राठौर और पायलट नासिर खान ने बालिका को अपने संरक्षण में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में बालिका अपने परिजनों के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकी, जिससे उसकी पहचान में कठिनाई आई इसके बाद टीम ने बालिका को साथ लेकर आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू की स्थानीय लोगों और परिचितों की सहायता से धीरे-धीरे परिजनों की जानकारी प्राप्त की गई और टीम बालिका को उसके घर तक लेकर पहुंची वहां आवश्यक सत्यापन और पहचान के बाद बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया डायल-112 की इस त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से एक मासूम बच्ची को सुरक्षित उसके परिवार से मिलाया जा सका यह घटना डायल-112 सेवा की मानवीय प्रतिबद्धता और आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी तत्परता का उदाहरण है मध्यप्रदेश पुलिस की यह पहल दर्शाती है कि डायल-112 सेवा न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि आमजन विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के प्रति भी सदैव सजग और समर्पित है।

ताप्ती नदी में सैकड़ों मछलियों की मौतः राजघाट पर पानी में उतराती दिखीं

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के राजघाट पर बुधवार सुबह सैकड़ों छोटी-बड़ी मछलियां मृत पाई गई हैं। प्रतिदिन मछलियों को दाना डालने आने वाले लोगों ने उन्हें पानी में तैरते देखा। प्रारंभिक तौर पर अत्यधिक गर्मी और नदी में बढ़ती गंदगी को इनकी मौत का कारण माना जा रहा है। वर्तमान में नगर निगम आयुक्त ने मामले की जांच के निर्देश देते हुए अपनी टीम को मौके पर भेज दिया है। 5 दिन में 7 डिग्री बढ़ा तापमान, 41 डिग्री पर बना हुआ है पारा पिछले पांच दिनों में बुरहानपुर का तापमान सात डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। 10 अप्रैल को शहर का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस था, जो 13 अप्रैल से लगातार 41 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। वहीं, न्यूनतम तापमान भी 21 से बढ़कर 23-24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ऐसे में अत्यधिक गर्मी को मछलियों की मौत की एक बड़ी वजह माना जा रहा है।

नियमित दाना डालने वाले बोले- नदी में काफी गंदगी हैः ताप्ती नदी में बढ़ती गंदगी को भी मछलियों की मौत का प्रमुख कारण माना जा रहा है। नियमित रूप से मछलियों की सेवा करने वाले राजकुमार चंदवानी ने बताया, 'मैं यहां कई सालों से मछलियों को दाना डालने आ रहा हूं। आज यहां आकर देखा तो काफी संख्या में मछलियां मरी हुई दिखीं। नदी में काफी गंदगी है और चारों तरफ से लापरवाही बरती जा रही है।' चंदवानी ने लोगों से नदी में गंदगी न करने और प्रशासन से साफ-सफाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

निगम आयुक्त ने टीम को भेजा मौके पर, कहा- मैं चेक कराता हूंः राजघाट पर मछलियों की मौत की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आ गया है। नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने अपनी टीम को मौके पर भेजकर स्थिति का पता लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस घटना को लेकर कहा, 'मैं चेक कराता हूं कि इसके पीछे कारण क्या है। '

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में 1000 क्विंटल की सीमा

सीहोर में किसान हो रहे परेशान, घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की धीमी गति किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। खरीदी प्रक्रिया पहले ही देरी से शुरू हुई थी और अब शासन द्वारा निर्धारित प्रतिदिन 1000 क्विंटल की सीमा ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। अधिकांश खरीदी केंद्रों पर यह कोटा थोड़ी ही देर में पूरा हो जाता है। इसके चलते दूर-दराज से अपनी ट्रॉली भरकर आए किसानों को घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ लौटना पड़ता है और अगले दिन का इंतजार करना पड़ता है। किसान एमएस मेवाड़ा ने बताया कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो किसानों की फसल का तौल दो महीने में भी पूरा नहीं हो पाएगा। वर्तमान सीमा के कारण एक दिन में केवल 25 से 30 ट्रॉली का ही तौल हो पाता है, जबकि केंद्रों की क्षमता इससे कहीं अधिक है। हम्मालों का भी कहना है कि वे प्रतिदिन 2 से 3 हजार क्विंटल तक तौल कर सकते

हैं, लेकिन इस सीमा ने उनकी कार्यक्षमता को बाधित किया है।

इस अव्यवस्था का सबसे अधिक असर छोटे किसानों पर पड़ रहा है। जिन किसानों के पास 2 से 3 एकड़ जमीन है, उन्हें अपनी पूरी उपज तौल कराने के लिए बार-बार खरीदी केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे उनके समय के साथ-साथ परिवहन का खर्च भी बढ़ रहा है। कई किसान आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं और फसल बेचकर तुरंत पैसों की आवश्यकता है, लेकिन मौजूदा व्यवस्था उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है।

खरीदी केंद्रों पर काम करने वाले मजदूरों की हालत भी खराब है। उन्हें प्रति क्विंटल महज 7 रुपये मिलते हैं, और दिनभर में मुश्किल से 400-500 रुपये की कमाई हो पाती है। भोजन का खर्च निकालने के बाद उनके पास बहुत कम बचता है।

मजदूरों का कहना है कि यदि तौल की मात्रा बढ़ती है, तो उन्हें भी बेहतर आमदनी मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि जिले के कुल 737 किसानों से 3283.05 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। अभी तक जिले में 122 टन चना और 96 टन मसूर की खरीदी की जा चुकी है।

बुरहानपुर में बिजली तार टूटने से फसल जली

किसान को हुआ लाखों का नुकसान, मुआवजे की रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के ग्राम बख्खारी में मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे बिजली का तार टूटने से एक किसान की पांच एकड़ में लगी मक्के की फसल जल गई। इस घटना से किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग इतनी भीषण थी कि मक्के की फसल के साथ-साथ सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाला महंगा ड्रिप सिस्टम और पाइप भी पूरी तरह नष्ट हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले ही फसल पूरी तरह जल चुकी थी। किसान प्रदीप ने इस आगजनी के लिए बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। किसान के मुताबिक, उन्होंने बिजली विभाग को जर्जर तारों की शिकायत पहले ही दी थी। शिकायत के बावजूद तारों को नहीं बदला गया, जिसके कारण यह बड़ा नुकसान हुआ। किसान ने बताया कि उसने कर्ज लेकर और अपनी जमा पूंजी लगाकर यह फसल उगाई थी। इस भारी नुकसान के बाद अब किसान ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है।

छतरपुर में ई-रिक्शा चालक पर कुल्हाड़ी से हमला

गुंडा वसूली का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी; सिर में आए 15 टांके

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र में गुंडा वसूली का विरोध करने पर एक ई-रिक्शा चालक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया गया है। दबंगों ने रास्ता इस्तेमाल करने के नाम पर अवैध वसूली मांगी थी, जिसकी शिकायत पीड़ित ने थाने में की थी। पुलिस डॉक्टरी रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच कर रही है। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, कोणन गांव निवासी 23 वर्षीय पुरुषोत्तम विश्वकर्मा ई-रिक्शा चलाकर अपना जीवन यापन करता है। उसने बताया कि गांव का ही एक दबंग अटल पटेल उससे रास्ते से निकलने के लिए पैसे मांग रहा था। आरोपी का कहना था कि यदि इस रास्ते का उपयोग करना है तो 'टैक्स' देना होगा। जब पुरुषोत्तम ने इसका विरोध किया, तो उसके साथ मारपीट की गई।

थाने में शिकायत की तो कुल्हाड़ी लेकर आ गए आरोपीः मारपीट के बाद पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर बमीठा थाने में शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि पुलिस में रिपोर्ट करने से नाराज होकर अटल पटेल अपने साथियों के साथ फिर आ

गया। उसने पुरुषोत्तम पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले के दौरान आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा, 'अब जाओ फिर से रिपोर्ट करके आओ, इस बार जान से मार देंगे। 'सिर में लगी गंभीर चोट, 10 से 15 टांके आएः कुल्हाड़ी के वार से गंभीर रूप से घायल पुरुषोत्तम को परिजन तुरंत स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसके सिर पर गहरी चोट आई है और 10 से 15 टांके लगाने पड़े हैं। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है।

दहशत में गांव के लोग, परिवार ने मांगी सुरक्षाः इस घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में दबंगों का आतंक बढ़ता जा रहा है और आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ सुरक्षा की मांग की है। वहीं, पुलिस मामले में जांच कर रही है और डॉक्टरी रिपोर्ट के बाद आगे की कार्यवाही करने की बात कह रही है।

अंबेडकर जयंती पर आदिवासी नृत्य के साथ निकली महारैली

खंडवा छात्रसंघ के नेतृत्व में रैली; झांकियां, लोकनृत्य और पुष्पवर्षा से गूंजा माहौल

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति छात्रसंघ द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर में भव्य महारैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रसंघ के मनोज ओसवाल के अनुसार, महारैली दोपहर 12 बजे स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ हुई। रैली इंदिरा चौक, बस स्टैंड, बॉम्बे बाजार, घंटाघर और नगर निगम होते हुए बाबा साहब की प्रतिमा स्थल तक पहुंची। रैली के दौरान डीजे की थाप पर छात्राओं ने आदिवासी लोकगीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। पारंपरिक वेशभूषा में

सजे प्रतिभागियों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की, जिसे देखने के लिए रास्तों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

झांकियों ने दिया जागरूकता का संदेश डॉ. अंबेडकर और भारतीय संविधान की थीम पर तैयार झांकियां भी रैली में शामिल रहीं, जिन्होंने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया और लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रैली का विभिन्न स्थानों पर सामाजिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। अंत में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई और मंचीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने की अपील की। पूरे आयोजन के दौरान शहर में उत्साह और सामाजिक एकता का माहौल देखने को मिला।

विदिशा में चकना संचालक की हत्या

शराब दुकान के पास घर लौटते समय चाकू से हमला भाई ने 2 लोगों पर लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा के अहमदपुर रोड स्थित चुंगी नाके के पास देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चकना दुकान संचालक सोनू मालवीय के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वहीं, मृतक के भाई ने मुन्नालाल परिहार, कल्लू परिहार और उनके परिवार पर हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों की तलाश की मांग की है।

दुकान बंद कर घर लौटते समय रोका, 3-4 चाकू मारेः जानकारी के अनुसार, सोनू मालवीय रोज की तरह देर रात अपनी चकना दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उन्हें रोक

लिया। आरोपियों ने पहले सोनू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की, फिर उन पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए। परिजनों के मुताबिक, सोनू को 3 से 4 चाकू मारे गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े।

अस्पताल में मृत घोषित, भाई बोला- पहले से दे रहे थे धमकीः घायल सोनू को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई सतीश मालवीय ने आरोप लगाया है कि मुन्नालाल परिहार, कल्लू परिहार और उनके परिवार के सदस्यों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। सतीश ने बताया कि आरोपी पहले से ही सोनू को जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

हत्या का केस दर्ज, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिसः यह घटना अहमदपुर रोड स्थित चुंगी नाके के पास एक शराब दुकान के नजदीक मामूली विवाद के बाद हुई। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और पुलिस फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश में जुटी है।

सिंगरौली में अतिक्रमण हटा, 20 किलो प्लास्टिक जब्त

नगर निगम ने बैढ़न बस स्टैंड सब्जी मंडी क्षेत्र से हटाए दुकानदार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली नगर निगम ने बुधवार को बैढ़न शहर में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। बस स्टैंड और पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र से उन दुकानदारों को हटाया गया, जिन्होंने मल्हार पार्क से काली मंदिर रोड तक सड़क पर कब्जा कर रखा था। इस अतिक्रमण से क्षेत्र में यातायात बाधित हो रहा था और आम लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क किनारे लगी दुकानों को हटवाया। सभी दुकानदारों को निर्धारित सब्जी मंडी परिसर में स्थानांतरित किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले कई दुकानदारों पर चालान भी किया गया। अभियान के दौरान लगभग 20 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री भी जब्त की गई। नगर निगम के अपर आयुक्त आरपी वैद्य ने बताया कि फुटपाथ और सड़क पर दुकान लगाने से लगातार जाम की स्थिति बन रही थी। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी कि भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उनका सामान भी जब्त कर लिया जाएगा। निगम की इस कार्रवाई से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां आपको बता दें कि नगर निगम अतिक्रमण हटाने के बाद फिर वापस भूल जाता है मॉनिटरिंग नहीं होती है जिसके चलते दुकानदार फिर वापस सड़क पर अपनी दुकान में फैला लेते हैं

सागर में 5 साल की बच्ची से रेप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। महाराजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 5 वर्षीय बालिका से रेप की वारदात सामने आई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। बालिका को इलाज के लिए बीएमसी भेजा गया। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में लिया। कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर

लिया गया है।

महाराजपुर इलाके के ग्राम में 5 वर्षीय बालिका घर के पास खेल रही थी। तभी गांव का रहने वाला मनोज कोल उम्र 25 साल पहुंचा। उसने बालिका को साइकिल पर घुमाने का लालच दिया और साइकिल पर बैठाकर साथ ले गया। वह बालिका को गांव के पास स्थित नाले में लेकर पहुंचा और दुष्कर्म किया। कुछ देर में बालिका घर नहीं लौटी तो परिजन ने तलाश किया। बालिका मिली तो उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। उसे तत्काल बीएमसी में भर्ती कराया गया। मामला सामने आते ही पुलिस ने जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया। तलाश करते हुए आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया। जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है।

रेत उत्खनन और तेज बहाव से खोखले हो रहे तट

नर्मदा-तवा संगम पर 10 मीटर तक बढ़ा कटाव

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में नर्मदा और तवा नदी के किनारों पर कटाव रोकने के लिए अब तक कोई ठोस काम नहीं हो सका है। संगम तट बांद्राभान में कटाव 10 मीटर तक बढ़ गया है, जिससे बांद्राभान सड़क और पास स्थित स्कूल पर खतरा मंडरा रहा है। रेत के अनियंत्रित उत्खनन और बारिश में धाराओं के टकराव से पैदा होने वाले भंवर तटों को नीचे से खोखला कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, गंगा और ब्रह्मपुत्र की तर्ज पर यहाँ 'स्पर तकनीक' का उपयोग कर धारा को बीच की ओर मोड़ना

जरूरी है। जल संसाधन विभाग ने बांद्राभान और ब्रिज के पास कटाव रोकने के लिए 15-15 करोड़ के दो प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। फिलहाल मंगलवारा और विवेकानंद घाट पर पिचिंग का कार्य जारी है, लेकिन बांद्राभान में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है।

क्यों सिकुड़ रहा तट, रेत उत्खनन और भंवर बड़ी वजहः तटों के कटाव के दो मुख्य कारण हैं। पहला, बारिश में तवा का तेज बहाव नर्मदा से टकराकर भंवर पैदा करता है, जो ड्रिल मशीन की तरह किनारों को काटते हैं। दूसरा, मशीनों से रेत निकालने के कारण नदी का तल उबड़-खाबड़ हो गया है, जिससे तटों का कुशन जैसा प्राकृतिक सपोर्ट खत्म हो गया है।

आईपीएल 2026: सीएसके से हार के बाद केकेआर के कप्तान रहाणे के खिलाफ लिया गया एक्शन

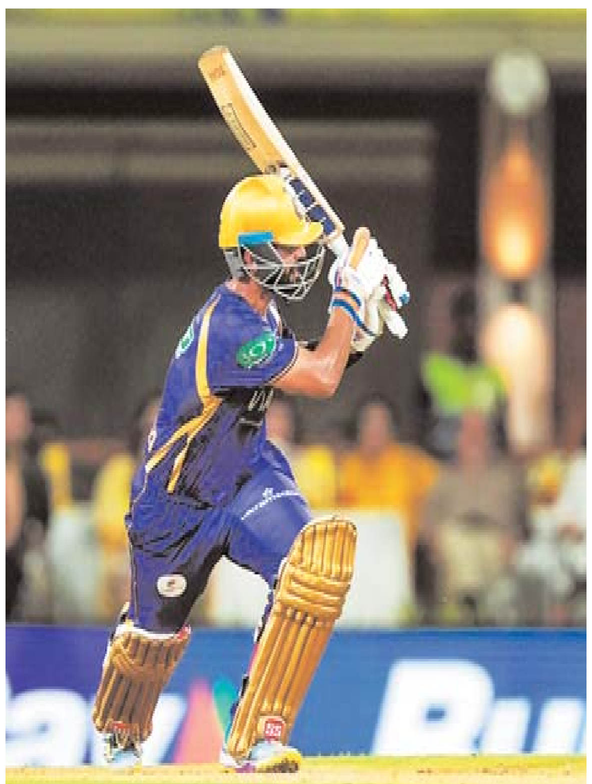

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए बहुत निराशाजनक साबित हो रहा है। केकेआर सीजन में एक भी मैच नहीं जीत सकी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मंगलवार को हुए मुकाबले में भी केकेआर को हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना लगाया गया है। चेन्नई में सीएसके और केकेआर के बीच हुए मुकाबले में केकेआर की गेंदबाजी की रफ्तार काफी धीमी थी। इस वजह से रहाणे पर बीसीसीआई ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत कार्रवाई करते हुए रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह इस सीजन में केकेआर का यह पहला ओवर-रेट उल्लंघन था, इसलिए न्यूनतम सजा दी गई। रहाणे सीजन के चौथे कप्तान हैं जिन पर धीमी ओवर रेट की वजह से जुर्माना लगाया गया है। रहाणे से पूर्व श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड़ पर भी जुर्माना लग चुका है। श्रेयस अय्यर पर लगातार 2 मैचों में जुर्माना लगा था। अय्यर पर पहले मैच में 12 लाख और दूसरे मैच में 24 लाख जुर्माना लगा था।

केकेआर के प्रदर्शन की बात करें तो टीम को सीजन में पहली जीत का इंतजार है। अब तक खेले 5 मैचों में केकेआर को 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला गया मैच बारिश की वजह से धुल गया था। इसी वजह से केकेआर को 1 अंक मिले थे। केकेआर अंकतालिका में सबसे नीचे (दसवें स्थान) है।

रहाणे के प्रदर्शन पर नजर डालें तो इस अनुभवी खिलाड़ी ने आईपीएल 2026 की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी और मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए पहले मैच में 40 गेंदों पर 67 रन की पारी खेली थी। लेकिन बाद की 4 पारियों में रहाणे ऐसी पारी नहीं खेल सके हैं। रहाणे ने 5 मैचों में 152 रन बनाए हैं।

वंदना कटारिया: ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी में वंदना कटारिया का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। पिछले एक दशक में भारतीय महिला हॉकी के उत्थान में जिन खिलाड़ियों का सबसे अहम योगदान रहा है, उनमें वंदना का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वंदना का जन्म 15 अप्रैल, 1992 को रोशनाबाद, (पहले उत्तर प्रदेश, अब उत्तराखंड) में हुआ था। वंदना ने फॉरवर्ड के तौर पर बड़ी पहचान बनाई। कटारिया को 2006 में भारतीय जूनियर टीम में चुना गया था। 2009 में उन्होंने सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। 2013 महिला हॉकी जूनियर विश्व कप में भारत की शीर्ष गोल-स्कोरर होने के नाते वंदना ने प्रसिद्धि हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में भारत ने कांस्य पदक जीता था।

वंदना के करियर की उपलब्धियों पर गौर करें तो वह 2014 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कटारिया को 2014 में हॉकी इंडिया के प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 2014-15 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड लीग के राउंड 2 में, उन्होंने 11 गोल किए थे और शीर्ष स्कोरर के रूप में टूर्नामेंट समाप्त किया था।

भारतीय टीम की कप्तान रह चुकीं वंदना ने 2016 रियो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारतीय टीम ने एशियन चैंपियन ट्रॉफी, 2018 में कोरिया के खिलाफ फाइनल गंवाया था, लेकिन

वंदना कटारिया प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। टोक्यो में 2020 समर ओलंपिक्स में, वंदना हॉकी में ओलंपिक हैट्रिक बनाने वाली पहली इंडियन महिला बनीं। 8 अगस्त, 2021 को उन्हें केंद्र के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आंदोलन का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। मार्च 2022 में, कटारिया को हॉकी के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। वह अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित हैं। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में वंदना ने 320 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 158 गोल किए। वर्ष 2025 में, 1 अप्रैल को, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की थी।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में देरी एथलीटों को हतोत्साहित करने वाला: तेजस्विन शंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में देरी के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय की आलोचना की है। शंकर ने इसे एथलीटों का अपमान और हतोत्साहित करने वाला बताया है। तेजस्विन ने एक्स पर लिखा, दिसंबर में अनाधिकारिक नाम आने से पहले इस बारे में सोचा जाना चाहिए था। 4 महीने बाद नहीं। यह देरी न सिर्फ एथलीट्स और कोचों को हतोत्साहित कर रही है बल्कि अपमान की निशानी भी है। मंत्रालय के मुताबिक, राष्ट्रीय खेल पुरस्कार कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। एथलीट्स की सूची का फिर मूल्यांकन किया जा रहा है, इसी वजह से कुछ देरी हो रही है। जल्द ही पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह में देरी का एथलीट बहुत विरोध कर रहे हैं। एथलीटों का मानना है कि पुनर्मूल्यांकन उन लोगों पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहा है जो पहले ही जरूरतें पूरी कर चुके हैं। मंत्रालय ने पिछले साल 29 सितंबर को साल 2025 के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों (मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम), द्रोणाचार्य अवॉर्ड, और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार) के लिए आवेदन मांगे थे, जिसे बाद में बढ़ाकर 4 नवंबर कर दिया गया था। 24 दिसंबर को चयन समिति की बैठक के बाद खेल मंत्रालय को भेजी गई सूची में कम-से-कम 24 नाम थे, जिसमें अर्जुन अवॉर्ड के लिए तेजस्विन का नाम भी शामिल था। लेकिन, फिलहाल यह प्रक्रिया रुकी हुई है।

अवॉर्ड्स भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक समारोह में दिए जाते हैं। आमतौर पर समारोह का आयोजन 29 अगस्त को, मेजर ध्यानचंद की जयंती पर होता है। जिस वर्ष ओलंपिक गेम्स, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स होते हैं, उन वर्ष पुरस्कार समारोह की तारीख इन गेम्स की आखिरी तारीखों को ध्यान में रखकर और भारत के राष्ट्रपति के सचिवालय की सलाह से तय की जाती है।

हार्दिक पांड्या ने सुनील छेत्री को भेंट की एमआई की जर्सी, ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे थे फुटबॉलर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे थे। इस दौरान एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने छेत्री को एमआई की जर्सी भेंट की। ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे सुनील छेत्री से एमआई के कई खिलाड़ी बात करते हुए नजर आए। छेत्री ने महेला जयवर्धने, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और कप्तान हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों से बातचीत की और अपने शानदार करियर के अनुभव शेयर किए। छेत्री ने एमआई के एक टीवी वीडियो में कहा, मैं स्टेडियम में बहुत बार नहीं गया हूं, लेकिन जब भी आया हूं, तो यह एक अद्भुत एहसास है। यहां आकर खेल को अलग तरह से देखना बहुत अच्छा है। मैं मुंबई इंडियंस और फैंस को न केवल इस मैच के लिए

बल्कि पूरे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं। एमआई के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत शानदार रही थी। टीम ने 2012 के बाद किसी भी सीजन का पहला मैच इस बार जीता, लेकिन उसके बाद से टीम ने एक भी मैच नहीं जीता है। एमआई 4 मैचों में 3 हार के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए अपने आखिरी मैच में 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। एमआई के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा इस मैच में इंजर्ड होकर रिटायर हर्ट हुए थे। एमआई की तरफ से उस मैच में शरफेन रदरफोर्ड ने शानदार पारी खेली थी और 31 गेंदों पर 9 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए थे। हालांकि, रदरफोर्ड अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके थे।

लुकमैन ने एटलेटिको के लिए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में जगह पक्की की

मैड्रिड, एजेंसी। एडेमोला लुकमैन ने एफसी बार्सिलोना की शुरुआती वापसी का जवाब देते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 2017 के बाद पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में पहुंचाया। लामिन यामल और फेरान टोरेस ने बार्सिलोना की शुरुआती वापसी में गोल किए, लेकिन लुकमैन का फिनिश निर्णायक गोल साबित हुआ क्योंकि एटलेटिको ने कुल 3-2 से जीत हासिल की। बार्सिलोना ने एक मिनट के अंदर यामल के जादू से जुआन मुसो को परखने के लिए एक शानदार शुरुआत की और उन्हें चौथे मिनट में इनाम मिला जब उनके नंबर 10 ने क्लेमेंट लेंगलेट से गेंद छीनकर टोरेस के पास पर दौड़ते हुए मुसो के पैरों के बीच से गेंद को आगे बढ़ाया। 22वें मिनट में एंटोनी ग्रीजमैन के लिए एक बड़ा मौका मैच में ज्यादा संतुलन का संकेत था, लेकिन टोरेस के तीन शानदार टच ने फिर मेहमानों को टाई में बराबरी पर ला दिया। पहले दो ने उन्हें लेंगलेट से दूर कर दिया, और तीसरे ने टॉप-राइट कॉर्नर पर गेंद को मारा। हाफ-टाइम से पहले कहानी में एक और ट्विस्ट आया, एडेमोला लुकमैन ने 31वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के लो क्रॉस को गोल में बदलकर एटलेटी को फिर से आगे कर दिया। 80वें मिनट में एरिक गार्सिया के अलेक्जेंडर सोरलोथ पर फाउल के कारण आउट होने से आखिरी समय में बढ़त की उम्मीदें और कम हो गई, लेकिन फिर भी बार्सिलोना स्टॉपेज टाइम में रोनाल्ड अराउजो के हेडर से गोल करने के करीब पहुंच गया। एथलेटिक के कोच डिएगो शिमोन ने कहा, 14 साल हो गए हैं, लेकिन टीम को अभी भी मुकाबला करते देखना मुझे सच में बहुत अच्छा लगता है। खिलाड़ी बदल गए हैं, हमें कई बार नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी, और फिर भी हम फिर से यूरोप में टॉप चार में हैं।

एटलेटी का मुकाबला सेमीफाइनल में आर्सेनल और स्पोर्टिंग सीपी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

आईपीएल 2026 - चेन्नई सुपर किंग्स खिलाफ मैच रीशेड्यूल, गुजरात टाइटंस ने जारी की टिकटिंग एडवाइजरी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से घोषित अपडेटेड शेड्यूल के बाद, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रीशेड्यूल मैच के लिए एक टिकटिंग एडवाइजरी जारी की है। फ्रेंचाइजी ने कहा, गुजरात टाइटंस उन फैंस को फ्लेक्सिबिलिटी देकर फैन-फर्स्ट अप्रोच के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिन्होंने टीम को सपोर्ट करने के लिए पहले ही टिकट बुक कर लिए हैं। हर फैसले के केंद्र में फैंस को रखते हुए, फ्रेंचाइजी सभी के लिए सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रही है। जिन फैंस ने बुकमायशो के जरिए अपने टिकट बुक किए थे, उन्हें एक एसएमएस और/या व्हाट्सएप मैसेज और/या ई-मेल मिलेगा, जिसमें दो विकल्प होंगे। नई तारीख के लिए टिकट अपने पास रखें या पूरे रिफंड का ऑप्शन चुनें, जो 8-10 कार्य दिवसों के भीतर क्रेडिट कर दिया जाएगा। जवाब देने की डेडलाइन 20 अप्रैल को दोपहर 12 बजे है। अगर कोई जवाब नहीं मिलता है, तो टिकटों को अपने पास रखा हुआ माना जाएगा। गुजरात टाइटंस ने कहा, फिजिकल टिकटों के लिए, रिफंड केवल फिजिकल टिकटों के सफलतापूर्वक वापस आने के बाद ही प्रोसेस किया जाएगा। फिजिकल टिकटों को कैसे वापस करना है, इस पर डिटेल्ड इंस्ट्रक्शन 21 अप्रैल से बुकमायशो की ओर से एसएमसए, ई-मेल और व्हाट्सएप के जरिए शेयर किए जाएंगे। सभी टिकट होल्डर्स से रिक्वेस्ट है कि वे कम्युनिकेशन को रिव्यू करें और तय समय सीमा के भीतर जवाब दें। गुजरात टाइटंस (जीटी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुकाबलों के वेन्यू 26 अप्रैल को होने वाले नगर निगम चुनावों की वजह से आपस में बदले गए हैं।

साकिब हुसैन : गहने बेचकर मां ने दिलाए जूते, डेब्यू मैच में गेंदबाजी से छाया बिहार का लाल

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज का एक लड़का आईपीएल के अपने डेब्यू मुकाबले में ही शानदार गेंदबाजी से दिल जीत लिया। इस तेज गेंदबाज को आर्थिक तंगी और सुविधाओं का अभाव भी नहीं रोक सका। बेटा तेज कदमों से दौड़ लगाते हुए 22 गज की पिच पर बल्लेबाजों के होश उड़ा सके, इसलिए मां ने अपने गहने बेचकर साकिब हुसैन को जूते दिलाए। उम्मीदों के बोझ के तले साकिब दबे नहीं, बल्कि ऐसा निखरे कि विश्व क्रिकेट उनके बारे में जानने को बेकरार है। साकिब हुसैन के पिता किसान थे, तो आर्थिक तंगी हमेशा से ही रही। किसी तरह से घर का बस गुजारा हो जाया करता था। साकिब शुरुआत में भारतीय सेना में जाना चाहते थे। घर के पास बने सेना के मैदान में वह तैयारी करने के लिए जाते थे। हालांकि, जब वह क्रिकेट खेलते थे, तो उनकी गेंदबाजी में कुछ अलग ही बात नजर आती थी। दोस्तों ने इस खेल में करियर बनाने की सलाह दी और पिता का भी साथ मिला। टेनिस की गेंद से साकिब ने अपने करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी के दम पर नाम कमाने लगे। हालांकि, क्रिकेटर बनने का सफर इतना आसान नहीं था। जब लेदर की गेंद से गेंदबाजी शुरू की, तो अच्छे जूते की कमी महसूस हुई। क्रिकेट के प्रति बेटे का लगाव और जुनून को देखकर मां ने अपने गहने तक बेच दिए। इरफान पठान ने जियोस्टार के साथ बात करते हुए बताया कि साकिब की मां ने उन्हें स्पाइक्स वाले जूते दिलाने के लिए गहने बेच दिए थे। मां के इस भरोसे पर साकिब एकदम खरे भी उतरे और उन्होंने जी-तोड़ मेहनत की।

बिहार के लिए साल 2024 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया और फिर साकिब ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 6 मुकाबलों में साकिब अब तक 16 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, 13 टी20 मुकाबलों में साकिब हुसैन ने 14 विकेट चटकाए हैं। आईपीएल में साकिब की एंट्री साल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे में बतौर नेट गेंदबाज हुई थी। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 2024 में खरीदा था। हालांकि, साकिब को दोनों ही साल अपनी काबिलियत दिखाने का मौका नहीं मिला।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के लिए हुए ऑक्शन में साकिब हुसैन को 30 लाख की बोली लगाते हुए अपनी टीम में शामिल किया। 13 अप्रैल 2026 की तारीख साकिब के क्रिकेट करियर की ऐतिहासिक तारीख बन गई। बिहार के लाल को वो मौका मिला, जिसकी तलाश वह लंबे समय से कर रहे थे। हाथ आए मौके को साकिब ने दोनों हाथों से भुनाया और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में 24 रन देकर चार विकेट चटकाए।

साकिब की गेंदबाजी में रफ्तार के साथ-साथ विविधता भी नजर आई। तेज गेंद के साथ-साथ साकिब के हाथों से निकलने वाली धीमी गेंद ने डेब्यू मुकाबले में बल्लेबाजों को खूब तंग किया। साकिब अगर डेब्यू मैच की तरह ही आईपीएल 2026 के पूरे सीजन में इसी तरह से छाप छोड़ने में सफल रहे, तो वह आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की जर्सी में भी नजर आ सकते हैं।

म्यूनिख ओपन 2026: ज्वेरेव ने केकमैनोविक को हराकर अगले दौर में बनाई जगह

म्यूनिख (जर्मनी), एजेंसी। म्यूनिख ओपन में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को मियोमिर केकमैनोविक की जोरदार वापसी को रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। उन्होंने मैच के आखिर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3, 3-6, 7-6(2) से जीत हासिल की। दो घंटे 19 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ज्वेरेव ने फरवरी में अकापुल्को में केकमैनोविक से मिली हार का बदला भी ले लिया। क्ले कोर्ट पर होने वाले इस एटीपी 500 टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन के तौर पर खेल रहे ज्वेरेव ने तब भी अपना संयम बनाए रखा, जब केकमैनोविक ने एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। एटीपी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए, जिनमें 4/1 पर एक शानदार रिएक्शन ट्वीनर वॉली भी शामिल रही, जब केकमैनोविक का

बैकहैंड नेट से टकराकर लौटा।

इस सप्ताह रिकॉर्ड चौथा म्यूनिख ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रहे ज्वेरेव ने एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, नेट पर 85 प्रतिशत (13 में से 11) अंक हासिल किए। दूसरे दौर में ज्वेरेव का मुकाबला गैब्रियल डियालो से होगा। ज्वेरेव इस मैच के जरिए 2026 का अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच एटीपी टूर पर अब तक केवल एक ही मुकाबला हुआ है, जो इसी साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेला गया था, जिसे ज्वेरेव ने जीता था। मंगलवार दोपहर ब्राजील के जोआओ फोंसेका ने म्यूनिख में अपने पहले ही मैच में एलेजांद्रो टैबिलो को 7-6(1), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। पिछले हफ्ते मोंटे-कार्लो में क्वार्टर-फाइनल तक का सफर तय करने वाले 19 वर्षीय फोंसेका का अगला मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के लिए सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेक से होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक और आठवीं वरीयता प्राप्त टैलन ग्रीक्सपोर, दोनों ही खिलाड़ी म्यूनिख ओपन से शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। क्वालीफायर एलेक्स मोल्कन ने बुब्लिक को 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर दूसरे राउंड में डेनियल अल्तमायर से मुकाबले की जगह पक्की कर ली। घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी अल्तमायर ने पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 मारिन सिलिच को 6-2, 6-3 से हराया। इस बीच, डेनिस शापोवालोव ने ग्रीक्सपोर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर जीत हासिल की। यह कनाडाई लेफ्टी खिलाड़ी मंगलवार के शेड्यूल के आखिरी मैच के विजेता से खेलेगा, जो स्टेफानोस सितसिपास और फैबियन मारोजसन के बीच होगा। इतालवी सितारे फ्लावियो कोबोली और लुसियानो डार्डेरी भी दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। चौथे सीड कोबोली ने डिएगो डेडुरा को 6-4, 7-5 से हराकर दूसरे राउंड में जिजू बर्क्स से मुकाबले की जगह बनाई।

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने लिया संन्यास, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीता था गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक जीत चुके विक्टर एक्सेलसन बुधवार को 32 साल की उम्र में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी। एक्सेलसन ने पीठ की समस्या की वजह से संन्यास का ऐलान किया है। पीठ की समस्या की वजह से वह इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और जर्मन ओपन में खिताब जीतने के बाद कोर्ट से बाहर रहे थे। एक्सेलसन ने बैडमिंटन यूरोप से बात करते हुआ कहा, लगातार पीठ की दिक्कतों, सर्जरी के बाद ठीक न हो पाने और बार-बार होने वाले दर्द की वजह से वह जरूरी स्तर पर ट्रेनिंग या मुकाबला नहीं कर पा रहे थे। इस वजह से उन्हें संन्यास लेने का मुश्किल फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा, अधिकांश लोग जानते हैं कि मैं पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और मैं लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरा था। अक्टूबर में मुझे एक झटका लगा। उन टूर्नामेंट के बाद से, मैं जरूरी स्तर पर खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं। दर्द की वजह से मैं खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं।

मैहर शारदा मंदिर से आभूषण गायब मामला : क्लीन चिट के बीच उठे गंभीर सवाल, एफआईआर पर संशय बरकरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मैहर शारदा मंदिर में आभूषण गायब होने का मामला एक बार फिर चर्चा में है प्रशासन की ओर से प्रारंभिक स्तर पर क्लीन चिट दिए जाने के बाद अब शिकायतकर्ता ने पूरी जांच प्रक्रिया और कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं जिससे मामला नया मोड़ ले चुका है शिकायतकर्ता पुष्पेंद्र सिंह ने रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक को लिखित शिकायत भेजते हुए आरोप लगाया है कि 23 नवंबर 2025 को मंदिर के गर्भगृह में एक श्रद्धालु द्वारा अर्पित किए गए कीमती आभूषण को एक ऐसे व्यक्ति द्वारा ले जाया गया, जिसे वहां प्रवेश का कोई वैधानिक या धार्मिक अधिकार नहीं था। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि घटना से जुड़े तथ्यों की प्रारंभिक जांच में पुष्टि होने के संकेत मिले हैं इसके बावजूद अब तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब जांच में तथ्य सामने आ चुके हैं तो फिर कानूनी प्रक्रिया में देरी क्यों की जा रही है यह स्थिति प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है सूत्रों के अनुसार, पूरे प्रकरण की जांच नगर पुलिस अधीक्षक स्तर पर की जा रही है हालांकि शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच प्रक्रिया में अपेक्षित तेजी नहीं दिखाई जा रही है और मामले को लेकर स्पष्ट स्थिति सार्वजनिक नहीं की जा रही है। उन्होंने मांग की है कि यदि यह मामला अपराध की श्रेणी में नहीं आता है तो जांच अधिकारी इसे लिखित रूप में स्पष्ट करें, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके यह मामला केवल आभूषण गायब होने तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि अब यह आस्था और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों की साख से जुड़ गया है स्थानीय स्तर पर इस प्रकरण को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं मैहर शारदा मंदिर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल से जुड़े इस मामले ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या सभी मामलों में कानून का पालन समान रूप से होता है या फिर कार्रवाई की गति परिस्थितियों पर निर्भर करती है अब सभी की नजर पुलिस प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी है कि क्या इस मामले में निष्पक्ष जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी या यह प्रकरण भी केवल जांच की फाइलों तक सीमित रह जाएगा।

ज्ञानगंगा एक्सप्रेस 1.30 घंटे सतना में खड़ी रही, यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बनारस से पुणे जाने वाली ट्रेन नंबर 22132 ज्ञानगंगा एक्सप्रेस बुधवार को सतना स्टेशन पर लगभग डेढ़ घंटे तक खड़ी रही ट्रेन के एसी-2 (2) कोच के एक्सल में खराबी आने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सुबह 10.40 बजे जब ट्रेन सतना स्टेशन पहुंच रही थी तभी मुख्तियारगंज रेलवे फाटक के पास लगी डिटेक्टर मशीन ने एसी-2 कोच में लगे एक्सल के गर्म होने की जानकारी स्टेशन मैनेजर सहित अन्य अधिकारियों को दी ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही तकनीकी टीम ने कोच का निरीक्षण किया और एक्सल को सुधारने का प्रयास किया लेकिन यह विफल रहा। इसके बाद सुरक्षा कारणों से एसी-2 कोच को ट्रेन से अलग करने का निर्णय लिया गया 12.28 बजे रवाना हुई ट्रेन एसी-2 कोच के सभी यात्रियों को अस्थायी तौर पर अन्य एसी कोचों में स्थानांतरित किया गया। यात्रियों को शिफ्ट करने और कोच को अलग करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ट्रेन 12.28 बजे जबलपुर के लिए रवाना हुई रेलवे के तकनीकी जानकारों ने बताया कि हॉट एक्सल डिटेक्टर से समय रहते गड़बड़ी का पता चलने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई यदि यह खराबी पकड़ में नहीं आती तो ट्रेन के पटरी से उतरने की संभावना बनी रहती रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि जबलपुर में एक नया कोच जोड़ा जाएगा जिसके बाद यात्रियों को उनकी मूल बर्थ वापस मिल जाएगी।

घोरवई में नाली निर्माण विवाद गहराया, शिकायत और जांच के बीच उलझा मामला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत मैहर के अंतर्गत ग्राम घोरवई में नाली निर्माण कार्य को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है ग्रामीणों द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण के आरोपों के बीच जहां एक ओर प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्य को तकनीकी मानकों के अनुरूप बताया है वहीं दूसरी ओर मामला अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के उच्च स्तर (L-3) तक पहुंच चुका है शिकायतकर्ता किशन मिश्रा ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया है कि गांव में रंगमंच से राजेश तिवारी और माधव जैसवाल के घर तक बनाई गई नाली गुणवत्ता विहीन है उनका कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ ही समय बाद नाली क्षतिग्रस्त हो गई जिससे ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इस शिकायत के बाद जांच के लिए पहुंचे उपयंत्री सुरेश सिंह ने अपनी रिपोर्ट में निर्माण कार्य को तकनीकी मापदंडों के अनुरूप बताया है विभागीय रिपोर्ट के अनुसार नाली का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और उसका पूर्णता प्रमाण पत्र भी जारी किया जा चुका है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि नाली को नुकसान किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ट्रैक्टर चढ़ाने के कारण हुआ, जिसे ब द में पंचायत द्वारा मरम्मत कर दिया गया हालांकि शिकायतकर्ता किशन मिश्रा ने विभागीय रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार करते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि घटिया निर्माण को छिपाने के लिए ट्रैक्टर चढ़ने की कहानी गढ़ी जा रही है। उनके अनुसार निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता खराब है जिसके कारण नाली बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है इस मामले को लेकर गांव के अन्य ग्रामीणों ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि स्वतंत्र जांच टीम द्वारा पूरे निर्माण कार्य की जांच कराई जाए उपयोग की गई निर्माण सामग्री का पुनः लैब परीक्षण हो, सैंपलिंग प्रक्रिया शिकायतकर्ता की मौजूदगी में की जाए तथा यदि अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए फिलहाल यह मामला मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के रू-3 स्तर पर लंबित है। ऐसे में सभी की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी या फिर विभागीय रिपोर्ट के आधार पर इसे समाप्त कर दिया जाएगा ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है ताकि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर जनता का भरोसा कायम रह सके।

पत्नी के जन्मदिन पर दंपति ने किया रक्तदान, मानवता का दिया प्रेरणादायक संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाज सेवा एवं मानवता के कार्यों में अग्रणी संस्था सिन्धु विकास समिति के तत्वावधान में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जहां एक दंपति ने पत्नी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान कर समाज को मानवता का संदेश दिया। इस अनूठी पहल ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई आमतौर पर लोग जन्मदिन पर उत्सव्र केक काटने और पार्टी के माध्यम से खुशी मनाते हैं, लेकिन प्रिया गोयल और राघव गोयल ने इस अवसर को सेवा भाव से जोड़ते हुए रक्तदान कर एक मिसाल पेश की। उन्होंने कहा कि जन्मदिन केवल व्यक्तिगत खुशी का दिन नहीं है, बल्कि यह दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने का अवसर भी है दंपति ने कहा कि रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है, और इससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। उनके इस कदम से कार्यक्रम में मौजूद अन्य लोगों में भी उत्साह देखा गया, और कई लोगों ने भविष्य में रक्तदान करने का संकल्प लिया इस अवसर पर रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने कहा कि यह पहल मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण है जो समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती है उन्होंने बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से निरंतर जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के कार्य में सक्रिय है कार्यक्रम के सफल आयोजन में आकाश बनर्जी का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान संस्था के संरक्षक मंडल के सदस्यों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने दंपति के इस कार्य की सराहना की समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रक्तदान करने वाले दंपति को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए इसे नियमित रूप से अपनाने का संदेश दिया।

कार्टून फैक्ट्री में भीषण आग 3 दमकलों ने 2 घंटे में पाया काबू, शॉर्ट सर्किट की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के इंडस्ट्रियल एरिया मटेहना स्थित एक कागज के कार्टून बनाने वाली फैक्ट्री में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे भीषण आग लग गई इस घटना में फैक्ट्री में रखा रद्दी कागज, पुट्ठा और तैयार कार्टून सहित लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया 3 दमकल वाहनों ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है और कोलगवां थाना पुलिस शॉर्ट सर्किट की आशंका जताते हुए मामले की जांच कर रही है वहीं नुकसान का वास्तविक आकलन बुधवार को किया जाएगा धुएं के गुबार से बुझाने में आई परेशानी 2 घंटे में पाया काबू जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में रद्दी कागज से पुट्ठा और कार्टून तैयार किए जाते हैं रात लगभग 1 बजे फैक्ट्री में अचानक आग लग गई।

बोनान्ज़ा कॉन्वेंट स्कूल के छात्र छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में बोनान्ज़ा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने इस वर्ष शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए इस परीक्षा परिणाम में अवनी सिंह ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं यश त्रिपाठी ने 96.2 प्रतिशत, दिव्या पाण्डे 95.8 प्रतिशत, देवांश तिवारी 95.4 प्रतिशत, शैली उरमलिया 95.2 प्रतिशत, आरोही पटेल 95 प्रतिशत, इशिका सोनी 93.6 प्रतिशत, छवि पाण्डे 92.6 प्रतिशत, आर्या त्रिपाठी 92 प्रतिशत तान्या सिंह 91.8 प्रतिशत साधना गौतम 90.2 प्रतिशत, समृद्धि सिंह तिवारी 90 प्रतिशत पलक सिंह 90 प्रतिशत तथा आस्था द्विवेदी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता अर्जित की विद्यालय के चेयरपर्सन गौरव अरोरा ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है डायरेक्टर दिलीप अरोरा एवं प्राचार्य रश्मि श्रीवास्तव ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अभिभावकों के सहयोग को भी इस सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया सभी सफल छात्र-छात्राओं ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय प्रबंधन शिक्षकों, अभिभावकों एवं अपनी निरंतर मेहनत को दिया परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और विद्यार्थियों में उत्साह एवं गर्व की भावना देखने को मिली।

एमपी बोर्ड 10वीं में छात्रा का 8वां स्थान :12वीं के रिजल्ट में शिवांशी गुप्ता का प्रदेश की मैरिट लिस्ट में सातवां स्थान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया गया है इस वर्ष 10वीं और 12वीं की परीक्षा में मैहर, रामनगर और अमरपाटन क्षेत्र के छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है 10वीं की परीक्षा में मैहर के स्नेही गांव की छात्रा श्रुति कुशवाहा ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर प्रदेश में 8वां स्थान हासिल किया। वह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर की छात्रा हैं। इसी श्रेणी में मैहर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बडेरा के छात्र शिव साहू ने 491 अंक प्राप्त कर 9वां स्थान पाया। रामनगर के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा दुर्गा पांडे ने भी 491 अंक हासिल कर प्रदेश की मेरिट सूची में 9वां स्थान प्राप्त किया। उनके पिता विजय शंकर पांडे ग्राम पंचायत सचिव हैं।अमरपाटन के शासकीय हाई स्कूल की छात्रा आंचल देवी कोल ने भी 491 अंक प्राप्त कर 9वीं रैंक हासिल की आंचल अमरपाटन थाना में पदस्थ रहे सहायक उपनिरीक्षक समरजीत कोल की पुत्री हैं और उन्होंने 98.2% अंक अर्जित किए हैं कक्षा 12वीं में भी क्षेत्र के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है के रामगढ़ स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा शिवांशी गुप्ता ने 485 अंक प्राप्त कर प्रदेश में 7वां स्थान हासिल किया। अमरपाटन के बाल भारती पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा सुजला पटेल ने 484 अंक के साथ 8वां स्थान प्राप्त किया जनपद सदस्य नंदकिशोर सिंह पटेल (नंदू भैया) की भांजी स्वेक्षा पटेल ने एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं परीक्षा 2026 में 500 में से 470 अंक (94%) प्राप्त किए हैं स्वेक्षा पटेल, शिशु शिक्षा सदन हायर सेकंडरी स्कूल अमरपाटन की छात्रा हैं उनके पिता राम लखन पटेल और माता रेखा पटेल हैं।

मैहर जिले में प्रगणक-पर्यवेक्षक प्रशिक्षण शुरू जनगणना 2027 पूरी तरह डिजिटल मोड में होगी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियां तेज कर दी गई हैं इसके अंतर्गत 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक पूरे मध्यप्रदेश में यह महत्वपूर्ण कार्य किया जाएगा इसी क्रम में मैहर जिले में 15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मैहर अमरपाटन तहसील एवं न्यू रामनगर नगर परिषद क्षेत्र में संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मैहर के तहसीलदार जितेंद्र कुमार पटेल, अमरपाटन तहसीलदार रामदेव साकेत एवं न्यू रामनगर से अनामिका सिंह उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने प्रशिक्षण की प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने की अपील की इस दौरान जिला जनगणना प्रभारी सुश्री शालिनी वर्मा एवं जिला मास्टर ट्रेनर संपत रावत ने प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना के महत्व प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी अधिकारियों ने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल मोड में संपन्न होगी इसके तहत प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगे और सभी जानकारी HLO ऐप के माध्यम से दर्ज की जाएगी यह प्रक्रिया आधुनिक तकनीक आधारित होगी जिससे डेटा संग्रहण अधिक सटीक और पारदर्शी बनेगा इसके पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों के लिए स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सेंसस सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल पर लॉगिन कर अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकता है अधिकारियों ने बताया कि 1 मई से 30 मई 2026 के बीच प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे और स्वगणना के माध्यम से भरी गई सूचनाओं का सत्यापन भी करेंगे यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उसे सुधार कर अंतिम रूप से डेटा दर्ज किया जाएगा प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी जिससे कार्य अधिक तेज पारदर्शी और त्रुटिरहित होगा सभी प्रगणकों को डिजिटल उपकरणों और ऐप के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है ।

नारी शक्ति वंदन पदयात्रा 16 अप्रैल को, महिला सशक्तिकरण का दिया जाएगा संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और समाज में नारी शक्ति की भूमिका को सशक्त रूप से रेखांकित करने के उद्देश्य से सतना जिले में 16 अप्रैल 2026 को नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा यह पदयात्रा प्रातः 10:30 बजे इंदिरा कॉलेज से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट सतना तक निकाली जाएगी। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न स्वयंसेवी संगठन तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रहेगी पदयात्रा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण समान अधिकार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को सम्मान देना और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी महिलाओं के अधिकारों और उनके सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों के साथ जागरूकता फैलाएंगे साथ ही समाज में लैंगिक समानता को मजबूत करने का संकल्प भी लिया जाएगा जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक महिलाओं एवं नागरिकों से इस पदयात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है ताकि यह आयोजन एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले सके और महिला सशक्तिकरण का संदेश अधिक प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंच सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।